

आखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज मंगलवार 13 अगस्त 2024 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

कोलकाता में महिला डॉक्टर की हत्या का मामला पहुंचा हाईकोर्ट

मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगनम और न्यायमूर्ति हिरणमय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने सभी जनहित याचिकाओं को स्वीकार कर लिया है और मामले की सुनवाई आज होगी

कोलकाता। कोलकाता में एक महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मामले में बीजेपी के वरिष्ठ नेता व अधिवक्ता कौस्तव बागची ने सोमवार को कोलकाता हाई कोर्ट में याचिका दायित्व की है। इस याचिका पर मंगलवार को सुनवाई होगी। याचिका में सभी मेडिकल कॉलेजों, अस्पताल और रेस्ट रूम में सीसीटीवी कैमरा लगाने और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। इसके साथ दो और पीआईएल भी कोलकाता हाई कोर्ट में दायित्व किए गए हैं। सभी याचिकाओं में एक ही दलील है कि मामले की जांच कोलकाता पुलिस की एसआईटी के बजाय किसी स्वतंत्र

एजेंसी से कराई जाए। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगनम और न्यायमूर्ति हिरणमय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने सभी जनहित याचिकाओं को स्वीकार कर लिया है और मामले की सुनवाई मंगलवार को होगी। पीआईएल तब दायित्व की गई जब ममता बनर्जी ने मृतक ट्रेनी डॉक्टर के परिवार वालों से मुलाकात की और कहा कि अगर रविवार तक पुलिस मामले को नहीं सुलझाती है तो केस सीबीआई को सौंप दिया जाएगा। बता दें कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात दुष्कर्म की घटना सामने

आई थी। मृतक मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन विभाग में सेकंड ईयर की छात्रा थी। गुरुवार को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद छात्रा अपने दोस्तों के साथ डिनर करने गईं। इसके बाद, उसका कुछ पता नहीं चला। इस घटना के सामने आने के बाद मेडिसिन विभाग में हड़कंप मच गया। चौथी मंजिल के सेमिनार हॉल में छात्रा का अर्धनग्न अवस्था में शव बरामद हुआ। घटनास्थल से मृतक छात्रा का मोबाइल फोन और लैपटॉप भी मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक महिला के मुंह, दोनों आंख और गुप्तांग पर चोट के निशान मिले हैं। इसके अलावा, होठ, गर्दन, पेट सहित शरीर के कई भागों में



चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने मामले में बयान जारी कर कहा कि आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

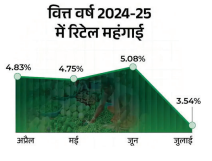
महिला डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करने वाले डॉक्टरों का स्वाति मालीवाल न किया समर्थन

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में बलात्कार और हत्या के लिए न्याय की मांग करने वाले डॉक्टरों का स्वाति मालीवाल ने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा देश पीड़िता के परिवार और उनके दोस्तों के साथ है। उन्होंने सोशल मीडिया



प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "मैं उन सभी डॉक्टरों को अपना समर्थन देता हूँ जो उस युवा प्रशिक्षु डॉक्टर के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं, जिसका कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी के दौरान बेरहमी से बलात्कार किया गया और हत्या कर दी गई। मेरी संवेदनाएं पीड़िता के परिवार और दोस्तों के साथ हैं। इस दुख की घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है।"

59 महीने के निचले स्तर पर आई रिटेल महंगाई



खाने-पीने की चीजों के दाम घटने से जुलाई में 3.54% रही, जून में 5.08% रही

नई दिल्ली। जुलाई महीने में रिटेल महंगाई घटकर 3.54% पर आ गई है। ये 59 महीने का निचला स्तर है। अगस्त 2019 में महंगाई 3.21% थी। वहीं जून महीने में महंगाई 5.08% रही थी। खाने-पीने की चीजों के दाम घटने से महंगाई घटी है। महंगाई अब फूटके 2-4% के टारगेट के भीतर है। अनाज, फल, सब्जी, दाल, मसालों के दाम घटने से खाद्य महंगाई दर 9.36% से घटकर 5.42% हो गई है। वहीं शहरी महंगाई भी महीने-दर-महीने आधार पर 4.39% से घटकर 2.98% पर आ गई है। ग्रामीण महंगाई 5.66% से घटकर 4.10% पर पहुंच गई है।



है। फ्रूल और लाइट की महंगाई भी घटी है। फूटके इस वित्त वर्ष के लिए महंगाई अनुमान 4.5% रखा था हाल ही में हुई मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग के दौरान फूटके इस वित्त वर्ष के लिए अपने महंगाई अनुमान को 4.5% पर अपरिवर्तित रखा था। फूटके वर्नर ने कहा था- महंगाई कम हो रही है, लेकिन प्रोग्रेस धीमी और असमान है। भारत की महंगाई और ग्लोथ ट्रेडिन्गरी संतुलित तरीके से आगे बढ़ रही है, लेकिन यह

सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहना महत्वपूर्ण है कि महंगाई टारगेट के अनुरूप हो। महंगाई कैसे प्रभावित करती है? महंगाई का सीधा संबंध पर्योजना पर है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6% है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 94 रुपए होगा। इसलिए महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी।

10 सीटों के लिए आखिर इतना दम क्यों लगा रहे हैं दल

लखनऊ: सीएम योगी आदित्यनाथ पिछले दिनों उपचुनाव वाली विधानसभाओं में मिलकीपुर व कटेहरी पहुंचे। विकास योजनाओं के साथ ही राजनीतिक जमीन परखी। सपा मुखिया अखिलेश यादव विधानसभावार बैठकों में जुटे हुए हैं। उपचुनाव से दूर रहने वाली बसपा की प्रमुख मायावती इस बार हर सीट की गणित बिठाने में लगी हैं। लंबे समय बाद यह देखने को मिल रहा है कि किसी उपचुनाव को सत्ता के सेमिफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है। प्रदेश में 10 सीटों गाजियाबाद, खैर,



कुंदरकी, मीरापुर, करहल, मिलकीपुर, कटेहरी, सीसामऊ, मिलकीपुर और मझवा में विधानसभा उपचुनाव होने हैं। N.D.A और I.N.D.I.A. के

घटक दल के साथ ही बसपा भी इस बार 10 के लिए पूरा दम लगा रही है। हालांकि, अब तक चुनाव की कारीखें घोषित नहीं हुई हैं। मंत्रियों-पदाधिकारियों की उतरी फौज भाजपा सरकार-संगठन ने अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। 30 मंत्रियों की फौज 10 सीटों पर लगी है। दो-दो बार यह मंत्री जमीन परख कर शीर्ष चहरों के सामने अपनी रिपोर्ट रख चुके हैं। सीएम ने खुद विधानसभाओं में पहुंचकर बैठकों का सिलसिला शुरू किया है।

मेरठ के प्राइमरी स्कूल में बच्चे को नॉनवेज खिलाया, प्रधानाध्यापक निलंबित

मेरठ: उत्तर प्रदेश के मेरठ महानगर के कोतवाली इलाके के वैद्यवाड़ा के सरकारी स्कूल में बच्चे को नॉनवेज खिलाने की शिकायत पर स्कूल और थाने में लोगों के साथ परिजनों ने हंगामा किया। थाने में दिव्यांग बच्चे ने जबरन नॉनवेज खिलाने की बात पुलिस को बताई। पुलिस ने स्कूल के प्रधानाध्यापक को हिरासत में लिया। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया। प्रधानाध्यापक के खिलाफ परिजनों ने थाने में एफआईआर लिखाने को तहरीर भी दी है।

युवाओं की ऊर्जा और उनका समर्पण

विकसित भारत के सपने को साकार करने में मदद करेंगे: डॉ. मनसुख



गुजरात केन्द्रिय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित ह्यडमैवट विद यूथ कॉन्वलेव 2024 में मुख्य भाषण दिया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से संयुक्त राष्ट्र भारत, यूनिसेफ, यूनिसेफ युवाव और एक्सिप्ट फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में अपनी क्षमता को प्रदर्शित करने के प्रति समर्पित सैकड़ों उत्साही युवाओं ने भाग लिया। विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. मांडविया ने कहा, ह्युवा सिर्फ कल के नेता ही नहीं, बल्कि आज के परिवर्तन के वाहक भी हैं। आपकी ऊर्जा और आपका नवाचार एवं समर्पण माननीय प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने की कुंजी हैं। केन्द्रिय मंत्री ने कहा कि भारत एक युवा देश है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार को उनकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है और वह उन्हें सशक्त बनाने तथा सर्वोत्तम अवसर प्रदान करने में बात करते हुए, डॉ. मांडविया ने युवाओं से ह्यमआई भारतह प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने देश के भविष्य को बदलते समय के अनुरूप ढालने के लिए यह मंच पेश किया है। उन्होंने कहा, ह्युआने वाले दिनों में, माई भारत युवाओं की सभी जरूरतों के लिए एक समग्र (वन-स्टॉप) समाधान के रूप में काम करेगा।

पाकिस्तान में पूर्व ISI चीफ फैज हामिद गिरफ्तार

इस्लामाबाद: पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पूर्व प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हामिद को सेना ने गिरफ्तार किया है। फैज हामिद के गिरफ्तारी की पुष्टि पाकिस्तानी सेना के प्रॉपगैंडा विंग इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन (आईएसपीआर) ने की है। उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का करीबी माना जाता है। इमरान खान की सरकार के दौरान फैज हामिद को आला सेना प्रमुख बनाने की भी चर्चा थी, हालांकि उनके तख्तापलट के कारण यह योजना

सफल नहीं हो सकी। फैज हामिद पर अफगानिस्तान की नागरिक सरकार को अस्थिर करने और काबुल पर तालिबान के कब्जे में पाकिस्तानी सेना ने क्या कहा आईएसपीआर ने कहा, "पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हामिद के खिलाफ टॉप सिटी केस में की गई शिकायतों की सत्यता का पता लगाने के लिए पाकिस्तानी सेना द्वारा एक विस्तृत जांच की गई।

शरद पवार ने महाराष्ट्र के सीएम व केन्द्र के पाले में डाली मराठा आरक्षण की गेंद

पुणे। राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को महाराष्ट्र और केन्द्र सरकार से मराठा आरक्षण के विवादस्पद मुद्दे को सुलझाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वह आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा बढ़ाने सहित इस संबंध में केन्द्र सरकार की किसी भी पहल का समर्थन करेंगे। शरद पवार ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मराठा आरक्षण विवाद को सुलझाने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार को आरक्षण



की 50 प्रतिशत सीमा को खत्म करने के लिए काम करना चाहिए। शरद पवार ने कहा कि न्यायपालिका ने देश में 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण पर रोक लगा रखी है, लेकिन अगर कोई समस्या

राहुल गांधी को हुआ 46.50 लाख रुपये का मुनाफा मोदी 3.0 में सरपट दौड़ रहा शेयर बाजार

नई दिल्ली। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में शेयर बाजार में तेजी देखने को मिल रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत होने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। इस फरन से आम निवेशकों के साथ-साथ देश के बड़े राजनेताओं को भी जमकर मुनाफा हो रहा है। इसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हैं। आईएनएस के कैलकुलेशन के मुताबिक, राहुल गांधी को बीते करीब पांच महीने में शेयर बाजार से 46.49 लाख रुपये का मुनाफा



हुआ है। यह मुनाफा उनकी ओर से रायबरेली लोकसभा के लिए भरे गए चुनावी नामांकन में दर्ज शेयरों के आधार पर कैलकुलेट किया गया है, जिसमें बताया गया था कि 15 मार्च, 2024 को उनके

पोर्टफोलियो की वैल्यू 4.33 करोड़ रुपये थी। शेयर बाजार में 12 अगस्त, 2024 तक उनके पोर्टफोलियो की कीमत बढ़कर 4.80 करोड़ रुपये हो गई है। राहुल गांधी के पोर्टफोलियो में एशियन पेट्स, बजाज फाइनेंस, दीपक नाइट्रेट, डिबीजी लैम्स, जीएमएम फॉडलर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, आईटीसी, टीसीएस, टाइटन, ट्यूब इन्वेस्टमेंट और एलटीआई माईडेट्री जैसे शेयरों के नाम शामिल हैं। इसके अलावा बर्तोज एडवर्टाइजिंग और विनाइल

केमिकल जैसी कई छोटी कंपनियों उनके पोर्टफोलियो में शामिल हैं। बड़ी बात यह है कि उनके पोर्टफोलियो में करीब 24 शेयर हैं, जिसमें से केवल 4 कंपनियों -- एलटीआई माईडेट्री, टाइटन, टीसीएस और नेस्ले इंडिया में ही उन्हें घाटा हो रहा है। बाकी की कंपनियों में राहुल गांधी मुनाफे में हैं। उनके पोर्टफोलियो में मौजूद वर्तोज लिमिटेड में कॉरपोरेट एक्शन देखने को मिला है, जिसके कारण उनके पास इस कंपनी के शेयर की संख्या बढ़कर 5,200 हो गई है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच बागवानी के क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने पर रचनात्मक चर्चा

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और न्यूजीलैंड के कृषि, वानिकी, व्यापार और विदेश मामलों के एसोसिएट मंत्री श्री टॉड मैकले के बीच उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठक हुई। इस बैठक में दोनों देशों के आपसी हितों के प्रमुख क्षेत्रों व सहयोग के अवसरों पर चर्चा की गई। यह चर्चा दोनों देशों की कृषि प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी साझा करने और बागवानी पर



प्रस्तावित मेमोरेंडम ऑफ कॉरपेरेशन (एमओसी) सहित साझेदारी के लिए नए रास्ते तलाशने पर केंद्रित थी। मंत्रियों ने कृषि साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की जिसमें हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के दौरान अपने-अपने घरों में फहराएं तिरंगा: डीएम डीएम ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ की बैठक

जिला मजिस्ट्रेट ने चार गुण्डों को किया जिला बदर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले के जिन व्यक्तियों के आस-पास के क्षेत्रों में आतंक व भय व्याप्त है और उनके विरुद्ध कोई भी व्यक्ति कुछ बोलने अथवा साक्ष्य देने का साहस नहीं करता है ऐसे चार व्यक्तियों को जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन ने गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा-3(3) के तहत जनपद की सीमा से छह माह के लिये निष्कासित कर दिया है। उन्होंने थाना सांगीपुर ग्राम भैसना के मो० सफीक उर्फ ननकऊ पुत्र मो० सगीर, कल्लू उर्फ बभना पुत्र साबिर व अकलीम उर्फ भोरू पुत्र साबिर अली तथा थाना रानीगंज ग्राम प्रेमोदिया के महफूज पुत्र मो० फारूक को जनपद की सीमा से छह माह के लिये निष्कासित कर दिया है।



बैठक में बोलते जिलाधिकारी संजीव रंजन।

अखंड भारत संदेश
प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने स्वतंत्रता दिवस समारोह (15 अगस्त) की तैयारियों के सम्बन्ध में कैम्प कार्यालय के सभागार में

अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा कि हमारे देश के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाने वाले स्वाधीनता दिवस समारोह परम्परागत रूप से

सादगी के साथ आकर्षक ढंग से मनाया जायेगा। उन्होंने बताया कि जिला/तहसील/ब्लॉक/नगर निकायों आदि सरकारी तथा गैर-सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाये तथा

झण्डा अभिवादन के साथ ही राष्ट्रगान का भावपूर्ण गायन होगा। पंचायती राज विभाग को निर्देशित करते हुये कहा कि जनपद के जितने भी अमृत सरोवर, विद्यालय, शहीद स्थल हैं और जहां पर झण्डासरोहण

होना है वहां की साफ-सफाई करायी जाये। ईओ को निर्देशित किया गया कि समस्त नगर पंचायतों साफ-सफाई, लाइटिंग, शहीद स्थलों पर माल्यार्पण किया जाये। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर खेल

डीएम ने जनसुनवाई के दौरान सुनी फरियादियों की समस्याएं

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूरदराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता भारत लाल

निवासी कड़रौ ने शिकायत किया कि प्रार्थी अपना मकान पक्का बना रहा जिसमें विपक्षी राम सजीवन निर्माण कार्य करने नहीं दे रहा है जिस पर जिलाधिकारी ने एसओ नवाबगंज को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये। शिकायतकर्ता नाजिर अली निवासी खरवई ने शिकायत किया कि गाटा सं०-744 सरकारी कागजात में चक्रोड के खते में

दर्ज है, इस चक्रमार्ग पर गांव के फराहीम ने मकान बनाकर पूरी तरह से मार्ग अवरुद्ध कर दिया है जिस पर जिलाधिकारी ने चक्रोड को अतिक्रमण मुक्त कराये जाने हेतु उपजिलाधिकारी रानीगंज को निर्देशित किया। इसी प्रकार जनसुनवाई वेंद दौरान जिलाधिकारी ने अन्य प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के सम्बन्ध सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किये।

नेहरु युवा केन्द्र के उपनिदेशक को पुत्र शोक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नेहरु युवा केन्द्र प्रतापगढ़ के उपनिदेशक समर बहादुर सिंह के सुपुत्र माणिक्य सिंह का आज रात्रि ईलाज के दौरान मेदांता हॉस्पिटल गुडगांव में निधन हो गया। माणिक्य सिंह लम्बे समय से बीमार चल रहे थे। माणिक्य सिंह का पार्थिव शरीर देर शाम उनके प्रयागराज स्थित निवास पर पहुंचेगा तथा उनका अंतिम संस्कार प्रयागराज में होगा। सोमवार को नेहरु युवा केन्द्र प्रतापगढ़ कार्यालय में एक शोकसभा हुई, जिसमें दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। शोकसभा में उपस्थित समाज सेवी रोशन लाल उमरवैश्य,



माणिक्य सिंह (फाइल फोटो)।

पूर्व सहायक निदेशक सूचना आर०बी०सिंह, नेहरु युवा केन्द्र के लेखाकार विनय मिश्र, राज्य प्रशिक्षक विश्वजीत सिंह, कर्मि रूपचंद, गुणा जी तथा नेहरु युवा केन्द्र के वालंटियर्स एवं गणमान्य

व्यक्तियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की तथा परिवार के सदस्यों को इस महान दुख की घड़ी में सहनशक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की गई। आज परिवर्तित रहेगा प्रतापगढ़ बादशाहपुर सड़क मार्ग

प्रतापगढ़। बादशाहपुर स्टेशन की 64 वीं रेलवे क्रॉसिंग पर 13 और 14 अगस्त को ट्रैक की मरम्मत का कार्य होगा। इसलिए यह फाटक बंद रहेगा। जिससे सड़क मार्ग से आने, जाने वाले वाहनों का रूट परिवर्तित किया गया है। प्रतापगढ़ की ओर से आने वाहन गाजी बाग से होकर जायेंगे। यह जानकारी पीडब्ल्यूआई अजय आनंद ने दी है। उन्होंने बताया कि 13 अगस्त की रात नौ बजे से लेकर धीरे में तीन बजे तक ट्रैक की संस्था और सुरक्षा की दृष्टि से गेट बंद रहेगा।

काकोरी काण्ड पर छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत किये लघु नाटक

भाजपा जिलाध्यक्ष ने काकोरी काण्ड की वी वस्तुत जानकारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सांकेत गलर्स पी०जी० कॉलेज, दहिलामऊ के सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव मनाया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने काकोरी काण्ड का लघु नाटक प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव मौजूद रहे। कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए



काकोरी काण्ड का लघु नाटक का मंचन करती छात्र-छात्राएं।

आशीष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जब से भारत में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय

प्रतियोगितायें आयोजित की जाये। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुये कहा है हर घर तिरंगा कार्यक्रम में जनमानस बह-चढ़कर प्रतिभाग करें, जनपद के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं

शहीदों को याद करें और अपने-अपने घरों पर 13 से 15 अगस्त तक झण्डा फहराएं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नवनील सेंहारा, अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) त्रिभुवन विश्वकर्मा,

उपजिलाधिकारी सदर उदयभान सिंह, परिचोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव सहित वरिष्ठ अधिकारी चिन्तामणि पाण्डेय व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के नरसंहार के विरुद्ध व्यापार मण्डल व आर्य समाज उतरा सड़क पर

जापन देकर नरसंहार रोकने तथा सख्त कार्यवाही करने की उठाई मांग

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। व्यापार मण्डल नगर और आर्य समाज के कार्यकर्ताओं ने आज बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रही हिंसा जताते हुए आज नगर में प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को सम्बोधित एक जापन में मांग की कि इस पर भारत सरकार पहल करके रोक लगाए और सख्त कार्यवाही करे। व्यापार मण्डल नगर के



बांग्लादेश के विरुद्ध प्रदर्शन करते व्यापार मण्डल व आर्य समाज के पदाधिकारी।

पदाधिकारियों ने कहा कि बांग्लादेश में हिन्दुओं के बर्बर संहार हो रहा है। बांग्लादेश के जन्मदाता भारत देश के वीर सपूतों की कुर्बानियों को नमन करते हैं, मुस्लिम दुष्टीकरण कर बांग्लादेश में आम हिन्दुओं का

संहार व उन्नीड़न होने से भारत देश के समस्त हिन्दु आक्रोशित व दुःखी हैं। इस मौके पर व्यापार मण्डल नगर प्रतापगढ़ की व्यापारी संस्था अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल की नगर इकाई के नगर

अध्यक्ष अर्पित खण्डेलवाल, जिला महामंत्री विजय गुणा, नगर महामंत्री श्रवण माकीजा, मनोज केसरवानी, जसवीर सिंह प्रिंस, आलोक अग्रहरि, बृजेश केसरवानी, राहुल खत्री, राहुल गुप्ता, दीपक सोनी, गोविन्द सोनी, राज केसरवानी, मनीष गुप्ता आदि मौजूद रहे। उधर आर्य समाज चैक द्वारा बांग्लादेश में हिन्दुओं के बर्बर संहार की घोर निन्दा की गई। आर्य समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि संसार के विभिन्न देशों में निवास कर रहे हिन्दुओं/आर्यों के लिए भविष्य में तृप्टीकरण संहार का साहस न कर सके, इसके लिये भारत सरकार

कोई कदम उठाए। इस मौके पर प्रधान रामकृपाल कसौधन, उपप्रधान रामेश कुमार, मंत्री दल सत्य प्रकाश, कोषाध्यक्ष राजेश खण्डेलवाल, उपमंत्री कृष्णा पटवा, पुस्तकालय अध्यक्ष विनय सिंह, आर्यवीर दल अधिष्ठाता ओम प्रकाश, अंतरंग सदस्य-गोपाल केसरवानी, जवाहरलाल (बच्चा), अभिषेक बरनवाल, अतुल गुप्ता, विजय गुणा, हरिकान्त, सत्य प्रकाश कसौधन व अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की नगर इकाई के नगर अध्यक्ष अर्पित खण्डेलवाल, श्रवण माकीजा, मनोज केसरवानी, बृजेश केसरवानी, राहुल खत्री, राहुल गुणा आदि मौजूद रहे।

स्वच्छता पर मालती इंटर कालेज में हुई प्रतियोगिता में नितिन और ऋषिका रहे अव्वल

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका के प्रशासक/जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं अधिशासी अधिकारी राकेश कुमार के आदेश के अनुपालन में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत पाठशाला 2.0 एवं अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम का आयोजन मालती इंटर कॉलेज में आयोजित किया गया जिसमें स्कूल के प्रधानाध्यक्ष गोकुलनाथ श्रीवास्तव, संतोष कुमार सिंह सफाई एवं खाद निरीक्षक, सभापति यादव अवर अभियंता जल, अजीत सरोज, शाशंक श्रीवास्तव एवं शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे। इस दौरान सफाई निरीक्षक संतोष कुमार द्वारा हर घर तिरंगा, काकोरी ट्रेन एक्शन,



विजेता को पुरस्कार देते आयोजकगण।

स्वच्छता के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान प्रतियोगिता भी कराई जिसमें कक्षा 12 के नितिन सिंह एवं ऋषिका सिंह विजेता हुईं और उन्हें पुरस्कृत भी किया गया। इस मौके पर शाशंक श्रीवास्तव द्वारा

स्वच्छ भारत मिशन नगरीय अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के प्रमुख बिंदुओं साफ सफाई, ट्रिपल आर, गिला कूड़ा एवं सुखा कूड़ा आदि विषय एवं अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर विस्तृत जानकारी दी गई।

अधिवक्ता की पत्नी पर दर्ज मुकदमे में विवेचक ने भेजी चार्ज शीट, हंगामा

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। अधिवक्ता की पत्नी के ऊपर दर्ज धोखाधड़ी के मुकदमे में विवेचक द्वारा बिना साक्ष्य संकलन के चार्ज शीट भेजे जाने का आरोप लगाते हुए तहसील के अधिवक्ता लामबंद हो गए। आक्रोशित अधिवक्ता तहसील गेट व रजिस्ट्री कार्यालय में तालाबंदी कर न्यायिक कार्य से विरत हो गए। बता दें पट्टी तहसील क्षेत्र के सरसतपुर गांव के रहने वाले अधिवक्ता रणविजय सिंह की पत्नी ज्योती सिंह ने एक भूमि का बैनामा लिया है। जिस भूमि का बैनामा लिया गया है उस भूमि के दखिल खारिज होने के बाद खतीनी में भी नाम दर्ज है। आरोप है कि मामले में बैनामेदार की पत्नी द्वारा बैनामेदार के विरुद्ध गलत तरीके से धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया गया है जिसमें विवेचक द्वारा बिना साक्ष्य संकलन के चार्ज शीट भेज दी गई। जबकि पूर्व में रहे अधिकारियों द्वारा यह आश्वासन दिया गया था कि मामले में जांच पड़ताल कर फाइनल रिपोर्ट लगाए जाने की बात कही थी। अब वर्तमान में तैनात अधिकारियों के तबादले के बाद विवेचक द्वारा बिना साक्ष्य संकलन के चार्जशीट भेज दी गई। मामले की जानकारी जब अधिवक्ताओं को हुई तो अधिवक्ताओं ने एकजुट होते

आक्रोशित अधिवक्ता तालाबंदी कर न्यायिक कार्य से विरत

हुए तहसील गेट में ताला जड़ दिया और जमकर नारेबाजी की। मौके पर पहुंचे एसडीएम के वाहन को भी तहसील परिसर में आक्रोशित अधिवक्ताओं ने प्रवेश नहीं होने दिया। आक्रोशित अधिवक्ताओं को समझाते बुझाते हुए एसडीएम तनवीर अहमद तहसील में दखिल हुए और कार्यालय में अधिवक्ताओं से बातचीत कर क्षेत्राधिकारी आनंद कुमार राय से फोन पर वार्ता कर भेजी गई चार्ज शीट को पुनः दूसरे जांच

अधिकारी से विवेचना कराने की बात कही और अधिवक्ताओं को समझा-बुझाकर शांत कराया। इस दौरान तहसील के जूनियर बार एसोसिएशन अध्यक्ष दिनेश सिंह, सीनियर अधिवक्ता वंश बहादुर सिंह, अजीत सिंह, बिदेश्वरी प्रसाद पाठक, विकास तिवारी, नंदम चतुर्वेदी, अमरजीत शर्मा, मनोज मिश्रा, शैलेंद्र तिवारी, विवेक पांडेय, मारुफ खान, चंदन सिंह, वाजिद अली, शुभम शांडिल्य, शिव शंकर सिंह, विवेक यादव, समेत तहसील के तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

भयहरणनाथ धाम में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 17 को

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में सावन मेला के समापन बेला पर मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बृहद् जागरूकता व उपचार शिविर का आयोजन 17 अगस्त को होगा। शिविर के आयोजन व संचालन की जिम्मेदारी मुख्य चिकित्साधिकारी ने प्रभारी चिकित्साधिकारी मानधाता को दी है। यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने सभी जागरूक नागरिकों से अपील की है की क्षेत्र व समाज में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मरीजों को इस अवसर पर धाम तक लाकर लाभांशित होने में अपनी भूमिका निभाएं।

हिंडनबर्ग के भंयकरतम् महाघोटाले की जेपीसी से हो जांच: प्रमोद तिवारी

बांग्लादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए केन्द्र सरकार से हर संभव प्रयास पर दिया जोर

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने सेवी चेयरपर्सन माधवी पुरी की कम्पनी से विदेशों में एक बड़ी धनराशि होने के खुलासे को देश के लिये बड़ा आर्थिक घोटाला करार दिया है। उन्होंने कहा है कि हिंडनबर्ग की ताजा रिपोर्ट ने यह खुलासा स्पष्ट करता है कि अडानी की आफशोर कम्पनी में सेवी, अडानी और भाजपा तीनों ही दोषी हैं। उन्होंने कहा है कि इस बड़े



प्रस वार्ता करते राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी।

घोटाले की जांच के लिये फ्रॉन संयुक्त संसदीय समिति का गठन

किया जाये। विपक्ष के उप नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि जेपीसी इस गंभीरतम आरोप की जांच करे ताकि सच्चाई देश के सामने आ सके। सोमवार को रामपुर खास के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने यहाँ कैम्प कार्यालय पर हुई प्रेसवार्ता में सरकार पर हमलावर होते हुये कहा कि केन्द्र सरकार ने जब यह समझा कि इस गंभीर घोटाले का खुलासा होने वाला ही था तो उसके इशारे पर संसद का सत्र अनिश्चित

काल के लिये स्थगित कर दिया गया। वहीं वार्ता के दौरान बांगला देश में हिन्दु अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार को लेकर विपक्ष के उप नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि इस मामले में संसद में हुई सर्वदलीय बैठक में संपूर्ण विपक्ष ने सरकार को पूरे देश की एकजुटता का भरोसा दिला रखा है। उन्होंने असम एवं यू०पी० के मुख्यमंत्री के इस आरोप पर कि कांग्रेस पार्टी बांगला देश में हिन्दु अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के प्रकरण में खामोश है।

आरोग्य भारती द्वारा छात्रों को दिलाई गई नशामुक्ति की शपथ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नशा निवारण संकल्प दिवस पर आरोग्य भारती प्रतापगढ़ द्वारा ग्राम विकास इंटर कॉलेज देहूपुर में व्यवसाय मुक्ति विषय पर संगोष्ठी आयोजित कर छात्रों को नशामुक्ति की शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. राधेश्याम मौर्य ने कहा कि कुछ छात्र इस आयु में भटक जाते हैं और सिगरेट, शराब, पान मसाला की बुरी लत

में फंस कर शारीरिक, सामाजिक एवं आर्थिक नुकसान कर बैठते हैं। मुख्य वक्ता राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय छितापलगाड़ के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा अमनीश पाण्डेय ने छात्रों को नशे के दुष्परिणाम बताते हुए कहा कि नशे की लत हमारे धन, तन और चरित्र तीनों का पतन करता है। शरीर में लिबर सिरोसिस, कैंसर जैसी भयावह बीमारियों के साथ साथ घर में क्लेश, सड़क दुर्घटनायें, दुराचार, अपराध ये

सभी नशे की बुरी आदत का परिणाम हैं। नशे से बुद्धि शिथिल हो जाती है और युवा उसे आनंद समझ बैठते हैं। नशे की लत से बचने के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, नियमित योग प्राणायाम करें, सात्त्विक विचार सुनें, अच्छे व्यक्तियों की संगति में रहें। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक मुत्तुंजय यादव, रामचंद्र सिंह, कौशल कुमार सिंह, पवन जायसवाल, आलोक सिंह, भास्कर प्रताप सिंह मौजूद रहे।

वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से मवेशी की कटकर मौत

अखंड भारत संदेश

परिचारावा, प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ प्रयागराज लखनऊ रेल मार्ग के परिचारावा रेलवे स्टेशन के पश्चिम छोर के 35 सी रेलवे फाटक के निकट ईदगाह गांव के सामने प्रयागराज से लखनऊ को जा रही वन्दे भारत ट्रेन से सोमवार की शाम लगभग सवा चार बजे ट्रेन गुजरने के दौरान अचानक मवेशी के सामने आ गया जिससे उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक बिना स्टोपेज के स्पीड से गुजर रही वन्दे भारत ट्रेन गांव के टकराने पर कुछ सेकण्ड के लिए असुलित हो गई। ट्रेन के रुकने के बाद आगे के लिए खाना हो गई। ट्रेन को देखने के लिए आसपास के लोग खड़े होकर देखने लगे।

अवधी गौरव सम्मान से नवाजे गए डॉ. अनुज नागेन्द्र व अनीश देहाती

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। साहित्य के क्षेत्र में योगदान के लिए क्षेत्र के दो साहित्यकारों को नेपाल में सम्मान मिला है। इसकी जानकारी मिलने पर यहाँ सोमवार को साहित्यकारों में खुशी का माहौल देखा गया। नेपाल के अवधी सांस्कृतिक प्रतिष्ठान की केंद्रीय समिति ने प्रतापगढ़ जनपद के अवधी के सशक्त हस्ताक्षर आचार्य अनीश देहाती और डॉ. अनुज नागेन्द्र को तुल्सी जयंती के अवसर पर अवधी गौरव रत्न सम्मान से

नवाजे गए डॉ. अनुज नागेन्द्र व अनीश देहाती

अखंड भारत संदेश

नवाजा है। लुम्बिनी प्रदेश के बांके जिले के नेपालगंज के उद्योग वाणिज्य संघ में आयोजित एक साहित्यिक कार्यक्रम में साहित्य जगत के दोनों नामचीन विभूतियों को सारस्वत सम्मान प्रदान किया गया। जिले के अवधी गौरव पं. आद्याप्रसाद उन्मत्त, जूमई खां आज़ाद और ओंकारनाथ उपाध्याय के बाद जनपद में अवधी की आवाज प्रखर बनाने वाले इन साहित्यकारों को सम्मान मिलने पर साहित्यकारों ने खुशी जतायी

है। इनमें पूर्व प्राचार्य डॉ. दुर्गाप्रसाद ओझा, राजमूर्ति सौरभ, सुनील प्रभाकर, निर्झर प्रतापगढ़ी, विजयबहादुर अक्खड़, चंद्रकांत शाकत, अनीश डॉ. बच्चाबाबू वर्मा, अनूप अनुपम, अंजनी अमोघ, अर्चना सिंह, अनूप प्रतापगढ़ी आदि हैं। वहीं राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी और विधायक रामपुर खास आगधना मिश्रा मोना ने भी इस उपलब्धि को रामपुर खास क्षेत्र की साहित्यिक पटल के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि कहा है।

कौशाम्बी संदेश

संगठित साजिश के तहत हिंदू बेटियों को अपहरण कर
कराया जा रहा धर्मांतरण : वेद प्रकाश सत्यार्थी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिले में योजनाबद्ध तरीके से लगातार हिंदू बेटियों को लवजिहाद का शिकार बनाया जा रहा है, जिसमें जिले के पुलिस अधिकारियों के द्वारा कटोर कार्रवाई में हीला हवाली की जा रही है। यह एक गंभीर चिंता का विषय है। जिस पर विचार किया जाना और ऐसे अधिकारी जो इन विषयों पर शिथिलता बरतते हैं उनके खिलाफ कार्रवाई किया जाना अत्यंत आवश्यक है। इस तरह की घटनाओं से जिले का हिंदू समाज चुरी तरह से आहत और गुस्से में है सड़क पर सोमवार को उतरे यह हजारों लोग इसी गुस्से का प्रतीक है। उक्त बातें हिन्दुवादी नेता वेद प्रकाश सत्यार्थी ने सिराथू कस्बे में आयोजित विरोध धरना प्रदर्शन के दौरान कहीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जिले का हिंदू समाज और सभी हिंदू संगठन जिले में बड़ रही संगठित साजिश के तहत हिंदू बेटियों को अपहरण कर उनका धर्मांतरण कराए जाने का विरोध करता है। यह प्रदर्शन जिला प्रशासन के लिए चेतावनी भी है कि यदि उसने इस तरह के

जिले में लगातार हिन्दू उपीड़न के खिलाफ विरोध व धरना प्रदर्शन सिराथू कस्बे में विभिन्न हिन्दू संगठनों ने भरी हुंकार



मामलों में कटोर कार्रवाई सुनिश्चित नहीं किया तो हिंदू समाज इन मामलों को लेकर आगे भी आंदोलन करेगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित पांच सूत्री ज्ञापन भी जिलाधिकारी को सौंपा गया। जिसमें मांग किया

गया कि जिले के विभिन्न थानों में मुस्लिम समाज के युवकों के द्वारा जिन भी बेटियों का अपहरण किया गया और धर्मांतरण कराया गया है, उनका आदिबनाथ को संबोधित पांच सूत्री ज्ञापन भी जिलाधिकारी को सौंपा गया। जिसमें मांग किया

सिराथू ओवर ब्रिज पर लगाया जाम

कौशाम्बी। लव जिहाद की घटना को लेकर हिंदुवादी लोगों ने सिराथू में जोरदार प्रदर्शन किया जिस दौरान हजारों की संख्या में निकले लोगों ने ओवर ब्रिज पुल पर जाम लगा दिया। जिसके चलते पुलिस प्रशासन के हाथ पैर फूल गए घंटे में घंटों के बाद जाम खुलवाया जा सका।

वाले लोगों और संस्थाओं का खुलासा किया जाए दूसरा धर्मांतरण व लव जेहाद के मामलों पर विशेष ध्यान दिया जाए और इनपर त्वरित कार्रवाई मुकदमा दर्ज किया सुनिश्चित जाए। तीसरा जिले के विभिन्न मदरसों में हिंदू बेटियों के अपहरण करने व उनका धर्मांतरण कराए जाने के लिए मुस्लिम युवकों को प्रोत्साहित किया जाता है। जिसमें रसैयद सरावार थाणा क्षेत्र चरवा स्थित मदरसे का विशेष योगदान है। इसकी गहनता पूर्वक जांच की जाए तथा इन मदरसों में आने वाले रूपरे विदेशी चंदे व पढ़ने वाले विदेशी शिक्षकों का लेखा-जोखा रखा जाए तथा लव जेहाद को प्रोत्साहन के लिए दिए जाने वाले फंड पर रोक लगाई जाए। चौथा

थानाक्षेत्र पैसा से अपहृत किशोरी की सकुशल वापसी सुनिश्चित कराते हुए दोषी आरोपी पर कटोर कार्रवाई किया जाए। आरोपी के द्वारा गैर कानूनी तरीके से एकत्र किए करोड़ों रूपए तथा नगर क्षेत्र में निर्मित अवैध घर के खिलाफ बूलडोजर कार्रवाई किया जाए। जिससे इस तरह के गंभीर अपराध करने वाले लोगों को मन में भय बैठ सके। पांचवा जिले में मुस्लिम समाज के लोगों के द्वारा लैड जिहाद की साजिश के तहत सरकारी जमीनों तालाबों पर भारी मात्रा में अवैध कब्जा किया जा चुका है और किया जा रहा है। ऐसे प्रत्येक मामले का जांच करके उनके ध्वस्तीकरण किया जाए। इस मौके पर मौजूद लोगों ने प्रशासन विरोधी नारे लगाते हुए पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाए जाने की मांग किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से यशवंत युववंश, रामेंद्र मिश्रा, सूरज, राजेंद्र कुमार मिश्रा, मधुवन सिंह, ब्रह्म दत्त ओझा, कृष्ण दत्त, अनूप पांडे, प्रभा शंकर, अनुराग पांडे, श्यामू लोधी, विनोद लोधी, मोहित सिंह, राजू पाल, विनोद सिंह, ओम प्रकाश, सोनू गोस्वामी सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

भाजपा जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में सिराथू विधानसभा में निकली बाइक तिरंगा रैली



अडुवा कौशांबी। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत सिराथू विधानसभा में सयारा सर्किट हाउस से नगर पंचायत अडुवा मंडी समिति तक बाइक रैली जुलूस निकालकर देश को स्वतंत्रता दिलाने वाले लोगों को नमन किया गया उनको विभिन्न श्रद्धांजलि दी गई लोगों से अपील किया गया की स्वतंत्रता दिवस को साथ मनाएं और 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक अपने घरों पर तिरंगा जरूर फहराएं उक्त अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने कहा स्वतंत्रता दिवस समाहोद के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान शुरू हो गया है हर घर तिरंगा अभियान 15 अगस्त तक पूरे देश में चलाया जाएगा जिसका उद्देश्य नागरिकों में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना है जिस देश के नागरिकों में देश के प्रति समर्पण और आस्था रहती है वह देश शक्तिशाली और तरकीब करता है और आने वाले खतरों से निपटने के लिए तैयार रहता है उन्होंने कहा इस वर्ष देश भर में अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे इसके अलावा अभियान को और बढ़ावा देने के लिए आयोजित की जा रही है भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ने कहा लोग अपने घरों में तिरंगा और झंडा फहराने के साथ एक सेल्फी बिलक कर हर घर तिरंगा.com पर अपलोड करें। यात्रा में मौजूद मोटरसाइकिल सवार हर हाथों में तिरंगा वालों की गगन भेदी नारे वंदे मातरम, भारत माता की जय, जय श्री राम से क्षेत्र गुंजायमान होता रहा। तिरंगा यात्रा महाराजा बिजली पारसी ओवर ब्रिज होते हुए सौराई बाजार, मधवामई,सिराथू, सैनी होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग के नगर पंचायत अडुवा मंडी समिति प्रांगण में समाप्त हुआ है इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष शिव प्रताप मौर्य, अडुवा मंडल अध्यक्ष डा रामराज मौर्य,मिथलेश केसरवानी,देवेश चौधरी,राहुल कुशावाहा सहित सहित सैकड़ों मोटरसाइकिल में सवार लोग मौजूद रहे हैं।

इलाज के दौरान अस्पताल में महिला की मौत

कौशांबी। चरवा थाणा क्षेत्र के सक्षिया में संचालित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई है पहले परिवार के लोगों ने डॉक्टर की लापरवाही का आरोप लगाकर पुलिस को जानकारी दी थी जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची लेकिन बाद में अस्पताल संचालक से महिला के पति का समझौता हो जाने के बाद परिवार के लोग पोस्टमार्टम की कार्यवाही नहीं चाहते थे परिवार के लोग अंतिम संस्कार को जा रहे थे लेकिन उसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस में मुक्त महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है महिला के शव को पोस्टमार्टम भेजने के बाद महिला के पति और अस्पताल संचालक दोनों बेचैन दिखाई पड़ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक चरवा थाणा क्षेत्र के चरवा गांव के उत्तर थोक निवासी गोपीश पुत्र बचऊ ने अपनी पत्नी चंदा देवी उम्र लगभग 45 वर्ष को इलाज के लिए महादेव अस्पताल सक्षिया चरवा में भर्ती कराया था जहां महिला के बच्चेदानी का ऑपरेशन हुआ लेकिन ऑपरेशन के बाद महिला की हालत बिगड़ने लगी और गंभीर हालत देखकर अस्पताल के चिकित्सकों ने महिला को दूसरे अस्पताल ले जाने की बात कही थी लेकिन महिला के परिवार के लोग दूसरे अस्पताल नहीं पहुंच सके और महिला की तड़प तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई है अस्पताल में किस डॉक्टर ने महिला का ऑपरेशन किया था उसकी योग्यता क्या है या फिर अयोग्य डॉक्टर द्वारा महिला का ऑपरेशन कर दिया गया जिससे महिला की मौत हो गई है यह जांच का विषय है।

सड़क पर बालू के चलते कार पलटी, कार सवार कार के अंदर ही बेहोश

कौशांबी। कोखराज थाणा क्षेत्र के मेहता रोड भवंस डिट्री कॉलेज के पास भरवारी में प्रयागराज से आ रही कर चालक सड़क पर बालू का ढेर पड़ा होने के चलते पलट गया है जिससे कार में सवार लोग कार के अंदर फंस गए हैं मौके पर चीख पुकार मच गई मामले की सूचना मिलते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे हैं बताया जाता है कि हादसे के बाद कार के अंदर सवार लोग बेहोश हो गए हैं मौहल्ले वाले ने कार को सीधी कर बेहोश कार सवार को बाहर निकाल कर जीवन दीप अस्पताल भेजा है कार में गाड़ी नंबर प्रयागराज का पड़ा है बेहोश कार चालाक का कोई पता नहीं कहा का है हादसे में पलटने के बाद कार बहुत दूर तक सड़क पर घसीटते गई सड़क पर बालू का ढेर लगाने वाले लोगों पर कार्यवाही किए जाने की जरूरत है जिससे हादसे पर रोक लगाई जा सके।

दो बाइकों की भिड़ंत में मासूम सहित तीन घायल

सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल में कराया गया भर्ती **कौशांबी।** कोखराज थाणा अंतर्गत बालकमऊ रमपुरवा रोड पर रमपुरवा गांव के पास सोमवार की रात लगभग 08 बजे दो बाइकों की आमने सामने जोरदार टक्कर हो गयी जिससे दो बाइकों पर सवार तीन लोग सड़क पर गिर गए और घायल हो गए। रास्ते से जाते लोगों ने हादसा देख कर आनन फानन में 108 एम्बुलेंस को सूचना दी दुर्घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर 108 एम्बुलेंस पहुंची और हादसे में घायल तीनों लोगों को इलाज के लिए जिला अस्पताल मंडनपुर में भर्ती करवाया। बताया जाता है कि हादसे में दीपक सोनकर उम्र 40 वर्ष जयकारा 48 वर्ष और अरुण कुमार 8 वर्ष घायल हुए हैं 108 एम्बुलेंस के कर्मचारियों ने घायलों के परिवार वालों को दुर्घटना की सूचना दे दी है।

विद्युत करंट की चपट में आने से युवक की मौत

कौशांबी। मंडनपुर हत्तरील क्षेत्र के कौशांबी थाणा अंतर्गत पहाड़िया गांव का नीरज कुमार अवस्थी पुत्र रामकृष्ण विद्युत करंट के चपट में आ गया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई है युवक की मौत की जानकारी मिलती ही परिवार में कोहराम मच गया है युवक के घर पर ग्रामीणों की भीड़ लगी है।

डीएम ने की कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा

कौशांबी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा कर-करेत्तर, आईजीआरएस, सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे एवं राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने विभागवार राजस्व वसूली की प्रगति को विस्तृत समीक्षा के दौरान वाणिज्यकर विभाग, खनन, स्टाम्प व रजिस्ट्रेशन एवं परिवहन में लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में प्रगत्य व न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को और अधिक प्रवर्तन कार्य करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने नगर निकायों में राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा के दौरान नगर पंचायत चावल एवं सिराथू में अपेक्षित राजस्व वसूली न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समीक्षा के दौरान नगर निकायों में प्रवर्तन कार्य कम पाये जाने पर नाराजगी

पेंशनरों से अधिक भुगतान की वसूली के लिए शासन से मिला निर्देश

कौशांबी। वरिष्ठ कोषाधिकारी रवीन्द्र प्रताप सिंह ने पेंशनर/पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहे लोगों को सूचित किया है कि पेंशनर/पारिवारिक पेंशनरों की मृत्यु हो जाने की दशा में उनके वारिसों द्वारा ससम्पत् कोषागार में सूचना न दिये जाने के कारण जीवित प्रमाण पत्र देय न रहने की दशा में पेंशन का अधिक भुगतान हो जाता है। मृत्यु की सूचना अथवा तहसीलदार की जीवित आख्या प्राप्त होने पर संबंधित बैंक को अधिक भुगतान की धनराशि प्रेषित किये जाने के लिए पंजीकृत पत्र प्रेषित किया जाता है। बैंकों द्वारा संबंधित पेंशनर के खाते में धनराशि उपलब्ध रहने के बावजूद भी अधिक भुगतान की धनराशि प्रेषित नहीं किया जाता है, जिसके कारण कोषागार द्वारा बार-बार अनुस्मारक पत्र प्रेषित करना पड़ता है। कतिपय बैंकों द्वारा चेक बनाकर रख लिया जाता है और समय अवधि व्यतीत हो जाने के बाद चेक प्रेषित किया जाता है, या अविद्यत खेद का विषय है। पेंशनर/पारिवारिक पेंशनरों से अधिक भुगतान की वसूली के लिए शासन द्वारा निर्देश प्राप्त हुए हैं। उन्होंने समस्त बैंकों को सूचित किया है कि कोषागार से पत्र प्राप्त होते ही मृत पेंशनर/पारिवारिक पेंशनरों के खाते से अधिक भुगतान की धनराशि शून्य सहित अविलम्ब वसूली के लिए पत्र प्रेषित करें।

जीवन कौशल समायोजन तथा साकारात्मक व्यवहार में परिवर्तन है डायट प्राचार्या

कौशांबी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मंडनपुर कौशांबी में शिक्षकों का चार दिवसीय जीवन कौशल प्रशिक्षण की शुरुआत हुई। इस मौके पर आयोजक उप शिक्षा निदेशक प्राचार्या सुश्री निधि शुक्ला ने जीवन कौशल प्रशिक्षण को सभी के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने बताया कि जीवन कौशल जीवन जीने की कला है जिससे व्यक्ति जीवन में आने वाली कठिनाइयों व चुनौतियों से प्रभावी तरीके से निपट सकता है। इस अवसर पर डॉ संदीप तिवारी ने जीवन को सरल व सहज बनाने में इस प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण बताया। प्रवक्ता सुरेशचंद्र ने कहा कि बेहतर समायोजित जीवन जीने में इन कौशलों से लाभ लिया जा सकता है लाभ लेने पर जोर दिया। प्रवक्ता नितीश कुमार यादव ने मानव समाज में मनुष्यत्व के गुण पर प्रकाश डाला कार्यक्रम के संयोजक कौशलेंद्र मिश्र ने बताया कि इस कौशल से हम सभी सीख सकते हैं व इनमें सुधार भी किये जा सकते हैं एवं संयोजिका डॉ वंदना सिंह ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सभी शिक्षकों को प्रशिक्षित किया। इस मौके पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के समस्त प्रवक्ता गण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड के तहत विभागवार योजनाओं/ इंडीकेटरर्स की शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के दिव्य निर्देश



प्रकट करते हुए कार्य में तेजी लाये जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों व तहसीलदारों को साप्ताहिक समीक्षा करते हुए मुख्य देय एवं विविध देय वसूली में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आरसी वसूली की विस्तृत समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समीक्षा के दौरान नगर निकायों में प्रवर्तन कार्य कम पाये जाने पर नाराजगी

रिजवी कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने प्रतिज्ञा ली कि समुदाय परिवार मित्र सहित स्वयं को करेंगे नशा मुक्त

कौशांबी। करारी कस्बा स्थित डॉ ए एच रिजवी डिग्री कॉलेज में सोमवार को नशा मुक्ति के लिए शपथ दिलाकर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजेश सक्सेना ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उपस्थित छात्र-छात्राओं को नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया और उन्होंने छात्र-छात्राओं को नशा मुक्त रहने के लिए प्रेरित किया है। महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर कैप्टन अबू तलहा अंसारी ने छात्र-छात्राओं को यह शपथ दिलाई कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अतः यह अति आवश्यक है कि नशा मुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़ें। देश की इस चुनौती को स्वीकार करते हुए हम आज, नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एकजुट होकर प्रतिज्ञा करते हैं कि न केवल समुदाय,

कौशांबी उत्तर प्रदेश को नशा मुक्त करने का दृढ़ निश्चय के साथ रिजवी कॉलेज में नशा मुक्ति के लिए ली शपथ



परिवार, मित्र बालिक स्वयं को भी नशा मुक्त करेंगे क्योंकि बदलाव की शुरुआत अपने आप से होनी चाहिए। इसलिए हम सब मिलकर अपने कौशांबी उत्तर प्रदेश को नशा मुक्त करने का दृढ़ निश्चय करें। इस मौके पर विशालय के छात्र-छात्राओं ने शपथ ली है कि मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि अपने देश को नशा मुक्त करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार

हर संभव प्रयास करूंगा इस मौके पर महाविद्यालय के अनुशासन अधिकारी डॉक्टर मुकुंद देव द्विवेदी, डॉक्टर जितेंद्र वर्मा, आनंद गुला, राजेश सिंह, पारस कुमार, जीत जहरा, डॉ शैला भारती, नीतू मिश्रा, गुलनाज नक्वी, रश्मि सिंह, समीरा बानो, राकेश कुमार, विजय कुमार, सुनील अग्रहरि इत्यादि शिक्षक गण मौजूद रहे।

15 अगस्त पर बालक बालिका क्रासकन्ट्री दौड़ हर घर तिरंगा मैराथन प्रतियोगिता का होगा आयोजन

कौशांबी। सहायक प्रशिक्षक रवि कुमार शर्मा ने अवगत कराया कि स्पॉट्स स्टेडियम टेवा में 15 अगस्त 2024 के उपलक्ष्य में 05 कि०मी० क्रासकन्ट्री रेस प्रतियोगिता बालक / बालिका 02 वर्गों में 15 अगस्त 2024 को प्रति 7:00 बजे ओसा चौराहे से स्पॉट स्टेडियम तक आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में लगभग 200 महिला एवं पुरुष खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे, जिसमें सभी आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेता बालक/ बालिका खिलाड़ी को खेल विभाग की तरफ से आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने समस्त समस्त प्राध्यापकों से अपने स्कूल/कॉलेज के खिलाड़ियों को क्रासकन्ट्री दौड़ प्रतियोगिता में समय से प्रतिभाग करने का अनुरोध किया है।

न्यूज झरोखा

कंपोजिट विद्यालय गिरसा प्रथम तथा आंगनबाड़ी केंद्र गिरसा का डीएम ने किया निरीक्षण

अधिशासी अधिकारी, भरवारी को विद्यालय परिसर की जमीन को तत्काल समतल कराने के लिए निर्देश

भरवारी कौशांबी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सोमवार को कंपोजिट विद्यालय,गिरसा प्रथम तथा आंगनबाड़ी केंद्र गिरसा का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान डिजिटल उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन किया, सभी अध्यापक उपस्थित पाये गये डिजिटल क्लास क्रियाशील पाई गई। प्रभारी प्रधानाध्यापक से कुल छात्र-छात्राओं की संख्या की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं के निगुणता पर विशेष ध्यान दिया जाय। उन्होंने कक्षा 05 के छात्र-छात्राओं से संवाद कर हिन्दी की किताब पढ़वाया व गणित के सवाल हल करवाकर शिक्षा की गुणवत्ता को परखा। शिक्षा की गुणवत्ता ठीक पाई गई। उन्होंने प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया की बच्चों को मानक के अनुसार गुणवत्तापूर्ण मिड-डे मील प्रदान किया जाय तथा छात्र-छात्राओं की और उपस्थिति बढ़ाने के लिए सकारात्मक प्रयास किया जाय। उन्होंने विद्यालय परिसर में जमीन समतल न पाए जाने पर अधिशासी अधिकारी,भरवारी को दुरभाष पर निर्देशित किया कि विद्यालय परिसर की जमीन को तत्काल समतल कराई जाय।

जनहित कारिणी समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कौशांबी में हुआ भव्य स्वागत

नेवादा कौशांबी। जिले में जनहित कारिणी समिति उत्तर प्रदेश की टीम बहुत आगे बढ़ चुकी है और इस टीम के कार्यकर्ता कोई भी कार्यक्रम करने में व जगहों के कार्य में काफी अग्रसर है रोज तरह तरह के कार्यक्रम करते रहते है आज दिनांक 12 अगस्त को कौशांबी जिले में जनहित कारिणी समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश केशरवानी व प्रदेश अध्यक्ष सुशील जैन (एडवोकेट) का आगमन हुआ है जिला अध्यक्ष रामबाबू केशरवानी के नेतृत्व में मात्वापूर्ण कर उनका भव्य स्वागत किया गया अक्सर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश केशरवानी ने बैठक कर समिति के कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश देते हुये बताया कि जनहित कारिणी समिति की बहुत बड़ी टीम बन गई है और आगे चलकर एक बहुत बड़ा एजेन्डा तैयार करेगी और उन्होंने कहा कि हमारी समिति कौशांबी जिले में कम समय में काफी आगे बढ़ चुकी है और इसी तरह काम करती रहेगी तो जन जन के जुबान पर जनहित कारिणी समिति का नाम होगा इस मौके पर महामंत्री मदन केशरवानी, कोषाध्यक्ष सुनील केशरवानी,संगठन मंत्री डा.मनेश प्रसाद, नगर अध्यक्ष जेजेन्द्र केशरवानी, प्रदीप केशरवानी उर्फ पुप्पू,रविजय सिंह,कमलेश शर्मा,उमाकान्त पांडे,व अन्य पदाधिकारी वा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सैकड़ों विद्यार्थियों ने ली विद्यार्थी परिषद की सदस्यता

कौशांबी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कौशांबी जिला द्वारा 12 अगस्त को व्यापक सदस्यता अभियान के क्रम में देव शरण स्मारक इंटर कॉलेज टेवां अंबिका प्रसाद इंटर कॉलेज टेवां एवं श्रीमती कमला देवी इंटर कॉलेज पूरब शरीरा में विद्यार्थियों ने सदस्यता अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सदस्यता के दौरान जिला सदस्यता प्रमुख शिवाशु शुक्ला ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि विद्यार्थी परिषद छात्रों की समस्या को अपनी समस्या समझकर विद्यार्थियों के हितों के लिए कार्य करती है। विद्यार्थियों के अंदर राष्ट्रवाद का भाव जगाना एवं उनका चरित्र निर्माण करना विद्यार्थी परिषद का मुख्य ध्येय है। तहसील सह संयोजक अमिराज सिंह ने बताया कि यह सदस्यता अभियान अनवरत जारी है। जिले भर में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता प्रभावी रूप से सदस्यता कर रहे हैं। और विद्यार्थी परिषद में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक जिले पर में 6487 सदस्य बन चुके हैं जिसमें 4264 छात्र एवं 2223 छात्राओं ने परिषद की सदस्यता ग्रहण किया है। वही साथ कालीन मंडनपुर में द बायो वर्ल्ड कोविंग सेंटर में सी बी एस ई बोर्ड के विद्यार्थियों ने सदस्यता ग्रहण की इस दौरान दिव्याश द्विवेदी जिला संगठन मंत्री अश्वनी सिंह ने विद्यार्थियों की सदस्यता दिलाई।

महाकालेश्वर मंदिर के भंडारे में उमड़ी भक्तों की भीड़, हुआ कन्या भोज

अडुवा कौशांबी। आदर्श नगर पंचायत अडुवा के नवीन मंडी समिति में स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर के प्रांगण में आज सोमवार को विशाल भंडारे का आयोजन हुआ मंदिर में पूजा करने वाले पंडित देवेन्द्र शुक्ला ने कहा कि भगवान शंकर सृष्टि कैसे राजन करता हुआ इसके संरक्षक हैं महादेव अनंत है जिनका ना तो कोई प्रारंभ है ना ही कोई मध्य और ना ही कोई अंत श्रेष्ठ के संघर्ष कर्ता भी भगवान शिव है शिव जब अपने भक्तों पर प्रसन्न होते हैं तो कृपा बरसाते हैं भगवान केवल सच्ची श्रद्धा और भक्ति के अधीन हैं। मंदिर समिति के अध्यक्ष और पदाधिकारियों ने भगवान भोले नाथ का भोग लगाकर मंदिर प्रांगण में कन्याओं का भोज कराया है तत्पश्चात भंडारे में विशाल भीड़ उमड़ पड़ी है भंडारे देर रात चलता रहा है मंदिर समिति और पदाधिकारियों के अनुसार 10 कुंतल का प्रसाद बनवाया गया है इस अवसर पर विशेष रूप से शिव बाबू केसरवानी, गुड्डू दराना,श्रवण केसरवानी,व्यापार मंडल अध्यक्ष गुड्डू केसरवानी,संतोष केसर वानी,रमेश केसरवानी,संदीप केसरवानी,प्रदीप केसरवानी,मुकेश केसरवानी सहित तमाम सम्मानित व्यापारी मंदिर समिति के पदाधिकारी, शिव भक्त मौजूद रहे।

शिवभक्तों ने डीजे के साथ निकाली शोभायात्रा, जमकर थिरके

अडुवा कौशांबी। आदर्श नगर पंचायत अडुवा के शिव भक्तों ने बेटी रिवार देर शाम नवीन मंडी समिति के श्री महा कालेश्वर मंदिर प्रांगण से डीजे की धुन पर कस्बे की विभिन्न गलियों से गुजरते हुए शोभायात्रा निकाली है शिव भक्तों ने झांकियों के विभिन्न प्रदर्शनों का कस्बे में प्रदर्शन किया है जिसे देखने के लिए लोग बाहर निकल आए शिव भक्त डीजे की धुन पर थिरके हुए पुनः महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे वहां से पैदल ही डीजे के साथ 20 किमी प्रसन्न होते गां गाट से गंगा जल भरकर पैदल ही फतेहपुर जिले के मशिलगंज चौकी अंतर्गत कुंडेश्वर धाम में भोलैनाथ को गंगाजल समर्पित किया है। इस शोभायात्रा में प्रमुख रूप से अंकित विरवकर्मा,विमल सहित कई दर्शन शिव भक्त मौजूद रहे है।

सम्पादकीय

'यह इस देश का अंदरूनी मामला है और इस पर भारत को कुछ नहीं कहना है

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्ता पलट के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद युनुस देश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने को तैयार हैं। मोहम्मद युनुस को आगे करने का फैसला राष्ट्रपति मोहम्मद शाहाबुद्दीन, आंदोलन के प्रमुख आयोजकों और बांग्लादेश की तीनों सेना प्रमुखों के बीच एक बैठक के बाद लिया गया। इधर बांग्लादेश में शेख हसीना वाजेद के देश छोड़ देने सहित जो घटनाक्रम हो रहे हैं उसे लेकर जहां एक ओर भारत सरकार का कोई साफ बयान नहीं आया है वहीं सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के आईटी सेल से दीक्षित ट्रोलाबाज अनेक तरह के भ्रम फैला रहे हैं। इससे न केवल भारत की आंतरिक समस्याएं बढ़ेंगी वरन दोनों देशों के बीच दूरियां भी बढ़ेंगी। सबसे बड़ी बात यह है कि इससे इस मसले को समझने में दिक्कत होगी जो बेहद पेंचीदा और केवल बांग्लादेश नहीं वरन भारत के लिये भी संवेदनशील है।

इस मामले को जिस हल्केपन से लिया गया उसकी शुरूआत बांग्लादेश में भारतीय दूतावास के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह कहकर लोगों को नाराज कर दिया कि 'यह इस देश का अंदरूनी मामला है और इस पर भारत को कुछ नहीं कहना है।' तब मोहम्मद युनुस ने कहा भी था कि 'जब एक भाई के घर में आग लगी हो तो दूसरा भाई कैसे कह सकता है कि यह दूसरे घर का मामला है?' उल्लेखनीय है कि युनुस ने बांग्लादेश में ग्रामीण बैंक की स्थापना की है जिसका 64 देशों ने अनुसरण कर करोड़ों लोगों का जीवन बदला है। इस उपक्रम के लिये उन्हें नोबेल पुरस्कार भी दिया गया है। कायदे से जब बांग्लादेश में आरक्षण-विरोधी आंदोलन प्रारम्भ हुआ तभी भारत सरकार के विदेश मंत्रालय को अपना नजरिया साफ करना चाहिये था। इसके साथ ही दक्षेस (सार्क) देशों के सबसे बड़े व सर्वाधिक प्रभावशाली नेता के रूप में भारत को सहयोग की पेशकश करनी चाहिये थी। यह बात बहुत साफ है कि वहां यदि राजनीतिक अस्थिरता होती है या फिर सैन्य सरकार बनती है तो इसका भी व्यापक और प्रतिकूल असर भारत पर पड़ेगा। भारत सरकार इस मामले को लेकर कितना संजीदा है, इसका आभास मंगलवार को इस विषय पर हुई संवैधानिक बैठक में देखने को मिला जिसमें सरकार की ओर से विदेश मंत्री एस. जयशंकर, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनथ सिंह और केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शामिल हुए लेकिन खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनुपस्थित थे। लोकसभा में 3 और राज्यसभा में 7 सदस्यों वाली आम आदमी पार्टी को आमंत्रित ही नहीं किया गया था। इसका सीधा अर्थ है कि भाजपा सरकार इस अंतरराष्ट्रीय मसले पर आयोजित बैठक में भी सियासत करने की खुद हरकत से बाज नहीं आई। दूसरी ओर सभी विरोधी दलों ने, चाहे वे प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया के हिस्से हों या न हों, सरकार को बिना शर्त समर्थन दिया।

अंगदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है

-: ललित गर्ग :-

अंगदान दिवस प्रतिवर्ष 13 अगस्त को मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में अंगदान के महत्व को समझने के साथ ही अंगदान करने के लिये आम ईंसान को प्रोत्साहित करने के लिये सरकारी संगठनों, सार्वजनिक संस्थानों और दूसरे व्यवसायों से संबंधित लोगों द्वारा हर वर्ष यह दिवस मनाया जाता है ताकि अंगदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और लोगों को अंगदान से जुड़ी गलतफहमियों से अवगत कराया जा सके। इस दिवस का एकमात्र उद्देश्य मुख्य रूप से लोगों को मृत्यु के बाद अंगदान के महत्व के बारे में प्रोत्साहित करना और शिक्षित करना है ताकि अधिक से अधिक लोगों की जान बचाई जा सके, जखरतमदों की जीवन मुस्कान लौटायी जा सके। गुर्दे, हृदय, अग्न्याशय, आंखें और फेफड़े जैसे अंग दान से पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों की जान बचाई जा सकती है। ईंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर के अंग ही क्यों न हों। इस दृष्टि से अंगदान एक महान दान है। जो हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्तव्य पालन करता है। अंग दान-दाता कोई भी हो सकता है। ईंसान अंग किसी अत्यधिक जरूरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये अंग से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। वर्ष 2024 की इस दिवस की थीम है 'ह्र्वाज किसी की मुस्कान का कारण बनें'।

ह्र्वाज अंगदान दिवस पूरे विश्व एवं भारत में मनाये जाने वाले महत्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह अंगदान कर सकता है। भारत महापिं दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में अंगदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर अंगदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह अंगदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा प्रदान करती है। अंगदान ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी जीवित या मृत, दोनों तरह के व्यक्तियों से स्वस्थ अंगों और ऊतकों को लेकर किसी अन्य जरूरतमंद व्यक्ति के शरीर में प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। प्रत्यारोपित होने वाले अंगों में दोनों गुर्दे (किडनी), यकृत (लीवर), हृदय, फेफड़े, आँत और अग्न्याशय शामिल होते हैं। जबकि ऊतकों के रूप में कॉर्निया, त्वचा, हृदय वाल्व कार्टिलेज, हड्डियाँ और वेसेल्स का प्रत्यारोपण होता है। आँख, पाचक ग्रंथि, आँत, अस्थि ऊतक, हृदय छिद्र, नसें आदि अंगों का भी दान किया जा सकता है। पूरे देश में ज्यादातर अंग दान अपने परिवर्तनों के बीच में ही होता है अर्थात् कोई व्यक्ति सिर्फ अपने रिश्तेदारों को ही अंग दान करता है। विश्व स्तर पर और भारत जैसे विकासशील देशों में अंग की बढ़ती



आवश्यकता को रोकने में मृत दाता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि एक मृत दाता आठ व्यक्तियों को बचा सकता है। 2021 में, वैश्विक स्तर पर 1,44,302 अंग प्रत्यारोपण हुए, जिनमें से 26.44 प्रतिशत (38,156) मृतक अंग दान के हैं। भारत ने कुल 12,259 प्रत्यारोपण किए, जो वैश्विक प्रत्यारोपण में 8 प्रतिशत का योगदान देता है, जिसमें प्रमुख प्रत्यारोपण गुर्दे (74.27 प्रतिशत), उसके बाद लीवर (23.22 प्रतिशत), हृदय (1.23 प्रतिशत), फेफड़े (1.08 प्रतिशत), अग्न्याशय (0.15 प्रतिशत) और छोटी आंत (0.03 प्रतिशत) के हैं। एक शोध रिपोर्ट के अनुसार, 2021 की तुलना में, भारत में क्रमशः किडनी (759), लीवर (279) और हृदय (99) में 1137 अधिक मृत अंग प्रत्यारोपण की सूचना मिली है। हालाँकि, भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुमान के अनुसार, मांग को पूरा करने के लिए लगभग 175,000 किडनी, 50,000 लीवर, हृदय और फेफड़े और 2,500

अग्न्याशय की आवश्यकता है। प्रत्यारोपण की संख्या और अंग उपलब्ध होने की संख्या के बीच एक बड़ा अंतराल है। अंगदान जीवन के लिये अमूल्य उपहार है। अंगदान उन व्यक्तियों को किया जाता है, जिनकी बीमारियाँ अंतिम अवस्था में होती हैं तथा जिन्हें अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है। जीवित व्यक्ति की आवश्यकता होती है। जीवित व्यक्ति के लिये अंगदान के समय न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना अनिवार्य है। साथ ही अधिकांश अंगों के प्रत्यारोपण का निर्णायक कारक व्यक्ति की शारीरिक स्थिति होती है, उसकी आयु नहीं। जीवित अंगदाता द्वारा एक किडनी, अग्न्याशय, और यकृत के कुछ हिस्से दान किये जा सकते हैं। कॉर्निया, हृदय वाल्व, हड्डि और त्वचा जैसे ऊतकों को प्राकृतिक मृत्यु के पश्चात दान किया जा सकता है, परंतु हृदय, यकृत, गुर्दे, फेफड़े और अग्न्याशय जैसे अन्य महत्वपूर्ण अंगों को केवल ब्रेन डेड के मामले में ही दान किया जा सकता है। अंगदान और प्रत्यारोपण ह्यमानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम (टीएचओए) 1994 के अंतर्गत आता है, जो फरवरी

1995 से लागू हुआ। इस अधिनियम के अनुसार अंगदान सिर्फ उसी अस्पताल में ही किया जा सकता है, जहां उसे ट्रांसप्लांट करने की भी सुविधा हो। यह अपने आप में बेहद मुश्किल नियम था। इस नियम से दूर-दराज के इलाकों के लोगों का अंगदान तो ही नहीं पाता था। इस समस्या को देखते हुए सरकार द्वारा 2011 में इस अधिनियम को संशोधित किया गया। नए नियम के मुताबिक अंगदान अब किसी भी आईसीयू में किया जा सकता है अर्थात् उस अस्पताल में ट्रांसप्लांट न भी होता हो, लेकिन आईसीयू है, तो वहां भी अंगदान किया जा सकता है। केवल भारत में ही नहीं दुनिया में हर साल लाखों लोगों के शरीर के अंग खराब होने के कारण मृत्यु हो जाती है। दुनियाभर में रक्तदान के प्रति जागरूकता की वजह से बड़े पैमाने पर लोगों ने इसका महत्व समझा और आगे आकर स्वेच्छा से रक्तदान करने लगे हैं, उसी प्रकार अंगदान के प्रति वैश्विक जागरूकता की महती आवश्यकता है। रक्तदान के बाद दूसरे स्थान पर है नेत्रदान। लोग अब नेत्रदान के लिए भी आगे आने लगे हैं। तथ्य बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर अंगदान में भारत की हिस्सेदारी बहुत ही कम है। यहाँ प्रति 10 लाख पर मात्र 0.15 लोगों द्वारा ही अंगदान किया जाता है। जब की प्रति 10 लाख पर अमेरिका में 27, क्राॅॅशिया में 35 एवं स्पेन में 36 लोग अंगदान करते हैं। अंगदान का पूरा रिकार्ड संभारित किया जाता है जिसकी जानकारी ह्र्वाजनेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशनह्र्वाज को दी जाती है।

डेढ़ साल पहले जब हिंडनबर्ग का पहला खुलासा आया

- शकील अख्तर

हिंडनबर्ग के नए खुलासे के बाद ऐसा ही लग रहा है कि मोदी जी का कवच बना मीडिया थोड़ा सहमा हुआ है। टीवी चैनलों पर खबर चल रही है। डेढ़ साल पहले जब हिंडनबर्ग का पहला खुलासा आया था तो मोदी जी लोकसभा में 303 सांसदों वाली पार्टी के नेता थे। राहुल ने लोकसभा में सवाल उठाया तो उन्हें लोकसभा से ही निकाल दिया गया था। मगर उसी सत्रहवीं लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें वापस भेजा। प्रधानमंत्री मोदी कई संकटों में घिरे मगर बचे रहे। उनके पास मीडिया है जो उनके खिलाफ जाने वाली हर बात को दबा देता है। उनके पक्ष में रोज नई कहानियां पेश करता है। जनता को हिन्दू-मुसलमान में उलझाए रखता है। अगर यह सेफ गार्ड एक दिन को भी हट जाए तो मोदी जी के लिए अपना विकेट बचाना मुश्किल होगा।

अभी हिंडनबर्ग के नए खुलासे के बाद ऐसा ही लग रहा है कि मोदी जी का कवच बना मीडिया थोड़ा सहमा हुआ है। टीवी चैनलों पर खबर चल रही है। डेढ़ साल पहले जब हिंडनबर्ग का पहला खुलासा आया था तो मोदी जी लोकसभा में 303 सांसदों वाली पार्टी के नेता थे। राहुल ने लोकसभा में सवाल उठाया तो उन्हें लोकसभा से ही निकाल दिया गया था। मगर उसी सत्रहवीं लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें वापस भेजा। और अब 18 वीं लोकसभा में जनता ने उन्हें न केवल दो जनरल से जीता कर वापस भेजा भी बल्कि मोदी जी की 303 सीटों को 240 भी कर दिया।

240 मतलब अल्पमत! 543 की लोकसभा में साधारण बहुमत के लिए भी 272 सीटें चाहिए। मोदी जी तीसरी बार जरूर प्रधानमंत्री बन गए। नेहरू से बराबरी का खूब प्रचार भी करवा लिया मगर पिछली दोनों बार की सीटों से बहुत कम ला पाए। 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बनते समय भी 282 सीटें जीते थे। तो इस बार अल्पमत में आते ही डर भी खत्म हो गया। पिछले दस साल खुद भाजपा आरएसएसकी भी डर में ही रहे। बाकी संवैधानिक इंस्ट्रुट्यूशन और ज्यादा डरे हुए। और मीडिया सबसे ज्यादा डरा हुआ। एक ही आदमी नहीं डरा। पूरा इंस्ट्रुट्यूशन बन गया वह निकल पड़ा सड़कों पर। उस समय 303 सीटों का गुमान था। और 400 पार के ख्वाब थे। तो राहुल के खिलाफ हर कार्रवाई की गई। एस्पिजी की सुरक्षा हटाई। 55-56 घंटे इंडी ने पूछताछ की। मगर कुछ नहीं निकला। लोकसभा की सदस्यता छीनी। घर छीना। बीस से ज्यादा मुकदमे चला रखे हैं। जिन्हें एक जगह नहीं कर रहे। सड़क पर गिराया तक गया। जब हाथरस जा रहे थे दलित परिवार से मिलने जिनकी लड़की



हिंडनबर्ग के नए खुलासे के बाद ऐसा ही लग रहा है कि मोदी जी का कवच बना मीडिया थोड़ा सहमा हुआ है

सामूहिक बलात्कार में मारी गई थी तो पुलिस ने धक्के मारकर गिराया। क्या नहीं किया? किसी एक नेता के खिलाफ आजादी के बाद इतनी कार्रवाइयां करने का और कोई उदाहरण तो बताइए! मगर उसका जवाब इस नेता ने दो तरह से दिया। एक-दो बार पूरा हिन्दुस्तान नाप दिया। दूसरे पूरे हिन्दुस्तान के विपक्षी दलों को एक कर दिया। परिणाम सामने है। मोदी जी अल्पमत में और राहुल पूरे दम के साथ नेता प्रतिपक्ष। बाकी सब इसके फाल आउट हैं। कमजोर का साथ कोई नहीं देता। मोदी जी को अच्छी तरह समझ में आ रहा होगा। जिस मीडिया पर इतना भरोसा था वह भी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर सवाल कर रहा है। करे भी क्यों नहीं? शेरय बाजार और बैंक इन दोनों चीजों पर झूठ चल नहीं सकता। सारा कारोबार ही इन पर टिका है। मध्यमवर्ग का सारा पैसा इन्हीं दोनों जगह है। बाकी सब जगह झूठ बोलने के आर्थिक नुकसान नहीं होता। मगर यहां अगर शेरय बाजार और बैंकों में कोई बड़ा कांड हुआ तो मध्यम वर्ग तो मितेगा ही यह मीडिया भी बच नहीं सकेगा। अभी एक उद्योगपति के चैनल से सैकड़ों लोग नौकरी से निकाले गए। इस उद्योगपति ने चालीस साल पहले भी एक बड़ा अंग्रेजी अखबार निकाला था। बड़ी-बड़ी तनखाओं पर पत्रकारों को लाया था। मगर जब लगा कि अपना अखबार चलाने से सस्ता दूसरे

अखबारों के जरिए काम करना है तो फिर अचानक सब पत्रकारों और दूसरे स्टाफ को मझधार में छोड़कर अखबार बंद कर दिया। अब आधे से ज्यादा मीडिया खरीद लिया है। लेकिन उसके लिए सम्मान या प्रोफेशनल माहौल देने का सवाल ही नहीं। जैसे लाला के यहां लोग काम करते हैं वैसी स्थिति कर दी। उधर मोदी जी तो सम्मान करते नहीं हैं। दस साल से ज्यादा हो गए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस तक नहीं की। ले दे के बस कांग्रेस के प्रचारप्रिय नेता ही इस मीडिया को पूछते हैं। बाकी राहुल तो मौका मिलने पर कह देते हैं कि भाजपा का बिल्ना लगाकर सवाल करो! मगर जैसा कि हम पहले भी कई बार लिख चुके हैं। फिर लिखने में हमें कोई परेशानी नहीं है कि कांग्रेस दो है। एक कांग्रेस है जो राहुल है। विपक्ष के नेता जो इका हुए वह राहुल की वजह से ही हुए। बाकी इन गुटबाज अवसरवादी और केवल अपने स्वार्थ के लिए काम करने वाले टीवी पर चहेरा चमकाने के लिए गोदी मीडिया के आगे पीछे घूमने वाले कांग्रेसी नेताओं को विपक्ष के बाकी नेता कोई पसंद नहीं करते हैं। तो अब दूसरी कांग्रेस बताने की जरूरत नहीं। लिख ही दिया हमने कि दूसरी कांग्रेस केवल अपने और अपने बारे में सोचने वाले नेताओं की है। उदाहरण भी बता देते हैं। अभी राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस को इस गुटबाजी ने ही हराया। फिर लोकसभा चुनाव के नतीजों ने

बताया कि राजस्थान में कांग्रेस कितनी मजबूत है। 25 में 11 सीटें जीती। क्योंकि यहां मुख्यमंत्री के लिए लड़ रहे दोनों गुटों का कुछ भी दांव पर नहीं था। अभी हरियाणा में विधानसभा चुनाव होना है। आंख बंद करके सब कह रहे हैं कि कांग्रेस आएगी। मगर कांग्रेसियों को छोड़कर। कांग्रेसी कह रहे हैं कि हमें कमजोर मत समझना। जनता चाहे जितना जोर लगा दे। हम अपनी गुटबाजी और हम से बड़ा नेता कौन की टेक नहीं छोड़ेंगे। सोनिया गांधी को कहना पड़ा कांग्रेस संसदीय दल की मीटिंग में कि अगर मिलकर लड़ लिए तो जीत जाओगे। मगर वह कांग्रेसी ही क्या जो सोनिया की या राहुल की बात सुन लें! ऐसी बातें तो सोनिया गांधी यूपीए की सरकार के समय कई बार कहती रहीं। अगर मान जाते तो 2014 में हारते थोड़ी। 2014 में मोदी जी नहीं जीते थे। कांग्रेसियों ने कांग्रेस को हराया था। मगर अब गंगा-जमुना में बहुत पानी बह गया है। राहुल बड़ी ताकत बन गए हैं। और वह जो एक डायलॉग है ना! राहुल उसको इस तरह बोल सकते हैं कि मेरे पास जनता है। और सच यह है कि जनता के साथ विपक्षी दल और उनके नेता भी राहुल के साथ हैं। कांग्रेस के कार्यकर्ता भी हैं। अब इन अवसरवादी निहित स्वार्थी कांग्रेसी नेताओं के भरोसे मोदी जी राहुल को कमजोर नहीं कर सकते। मीडिया भी खिसक रहा है। हिंडनबर्ग की इस नई रिपोर्ट का असर क्या होता है यह सोचना सुबह शेरय बाजार में खलने के बाद पता चलेगा। सरकार की मजबूती भी। पहले अरुण जेटली थी। ऐसी कर दिया। परिणाम सामने है। ये उन्हीं को मोदी जी कभी याद भी नहीं करते। कल जब मार्केट अपनी प्रतिक्रिया देगा तो शायद जेटली याद आए। बहुत तनाव झेलकर गए हैं। समय से पहले। अगर मोदी जी को दिल्ली लाने और प्रधानमंत्री बनाने के लिए किसी एक व्यक्ति का नाम लेना हो तो वह जेटली के अलावा और किसी का नहीं हो सकता। खैर मोदी जी को अपने किसी नेता की परवाह नहीं है। आडवानी से लेकर जेटली तक बहुत लंबी लिस्ट है जिन्हें उपयोग किया और भूल गए। उन्हें तो कांग्रेस के नेता याद रहते हैं। किस कांग्रेस के नेता ने क्या किया? क्या नहीं किया? मगर अब इन सबसे कुछ होने वाला नहीं है। दस साल कट गए। अब सहयोगी दलों की बैसाखियों पर सरकार है जिसने अभी लोकसभा में वक्फ बिल भी पास नहीं होने दिया। और राज्यसभा में कह रहे हैं कि अगर सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया तो देखेंगे! आज सभापति के लिए यह जवाब है कल प्रधानमंत्री के लिए भी हो सकता है!

राहुल गांधी, जाति जनगणना के प्रबल समर्थक बन गए

- राम पुनयिनी

इंडिया गठबंधन में शामिल कुछ दल मंडल के विरोधी रहे हैं मगर अपनी दो भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान आम लोगों की स्थिति देखने के बाद राहुल गांधी, जाति जनगणना के प्रबल समर्थक बन गए हैं। विभिन्न जातियों की आबादी, आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण करने का सबसे बेहतर आधार है।

इस सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट का आरक्षण कोटे के उप-विभाजन के सम्बन्ध में निर्णय स्वागतयोग्य है। हालिया लोकसभा आमचुनाव (मई 2024) में इंडियन गठबंधन ने जाति जनगणना के मुद्दे को अपने विचार अभियान में महत्वपूर्ण स्थान दिया। अन्य कारकों के अलावा, इस मुद्दे ने भी इंडिया गठबंधन के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन में अपना योगदान दिया। हालांकि इस गठबंधन को सरकार बनाने लायक सीटें नहीं मिल सकीं। भाजपा के गठबंधन साथी नीतीश कुमार बिहार में पहले ही जाति जनगणना का विचार चुके हैं, हालांकि इस मुद्दे को अभी उन्होंने टंडे बस्ते में रख छोड़ा है। राहुल गांधी ने वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत केन्द्रीय बजट पर चर्चा उठाई। उन्होंने 'हलवा' (सरकार से मिलने वाले लाभ) का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि बजट तैयार करने वाले मुख्यतः ऊंची जातियों के हैं और बजट के लाभार्थी केवल चंद उच्च वर्ग हैं। राहुल गांधी के इस प्रभावी भाषण का जवाब देते हुए अनुराग ठाकुर ('गोली मारो...' वाले) ने राहुल गांधी का मखौल उड़ाते हुए कहा कि जिसे उसकी खुद की जाति नहीं मालूम, वह जाति जनगणना की मांग कर रहा है। इस मामले में राहुल गांधी अनूठे व्यक्ति हैं - हिन्दू पिता, ईसाई मां, हिन्दू दादी और पारसी दादा। एक तरह से वे उस स्वतंत्र और खुले समाज के प्रतीक हैं, जो दक्षिणपूर्वी तटों के अंतरजातीय और अंतर्धार्मिक शादियों के विरोध के बावजूद देश में उभरता जा रहा है। ठाकुर की

टिप्पणियों को लोकसभा की कार्यवाही के लिए लड़ रहे दोनों गुटों का कुछ भी दांव पर नहीं था। अभी हरियाणा में विधानसभा चुनाव होना है। आंख बंद करके सब कह रहे हैं कि कांग्रेस आएगी। मगर कांग्रेसियों को छोड़कर। कांग्रेसी कह रहे हैं कि हमें कमजोर मत समझना। जनता चाहे जितना जोर लगा दे। हम अपनी गुटबाजी और हम से बड़ा नेता कौन की टेक नहीं छोड़ेंगे। सोनिया गांधी को कहना पड़ा कांग्रेस संसदीय दल की मीटिंग में कि अगर मिलकर लड़ लिए तो जीत जाओगे। मगर वह कांग्रेसी ही क्या जो सोनिया की या राहुल की बात सुन लें! ऐसी बातें तो सोनिया गांधी यूपीए की सरकार के समय कई बार कहती रहीं। अगर मान जाते तो 2014 में हारते थोड़ी। 2014 में मोदी जी नहीं जीते थे। कांग्रेसियों ने कांग्रेस को हराया था। मगर अब गंगा-जमुना में बहुत पानी बह गया है। राहुल बड़ी ताकत बन गए हैं। और वह जो एक डायलॉग है ना! राहुल उसको इस तरह बोल सकते हैं कि मेरे पास जनता है। और सच यह है कि जनता के साथ विपक्षी दल और उनके नेता भी राहुल के साथ हैं। कांग्रेस के कार्यकर्ता भी हैं। अब इन अवसरवादी निहित स्वार्थी कांग्रेसी नेताओं के भरोसे मोदी जी राहुल को कमजोर नहीं कर सकते। मीडिया भी खिसक रहा है। हिंडनबर्ग की इस नई रिपोर्ट का असर क्या होता है यह सोचना सुबह शेरय बाजार में खलने के बाद पता चलेगा। सरकार की मजबूती भी। पहले अरुण जेटली थी। ऐसी कर दिया। परिणाम सामने है। ये उन्हीं को मोदी जी कभी याद भी नहीं करते। कल जब मार्केट अपनी प्रतिक्रिया देगा तो शायद जेटली याद आए। बहुत तनाव झेलकर गए हैं। समय से पहले। अगर मोदी जी को दिल्ली लाने और प्रधानमंत्री बनाने के लिए किसी एक व्यक्ति का नाम लेना हो तो वह जेटली के अलावा और किसी का नहीं हो सकता। खैर मोदी जी को अपने किसी नेता की परवाह नहीं है। आडवानी से लेकर जेटली तक बहुत लंबी लिस्ट है जिन्हें उपयोग किया और भूल गए। उन्हें तो कांग्रेस के नेता याद रहते हैं। किस कांग्रेस के नेता ने क्या किया? क्या नहीं किया? मगर अब इन सबसे कुछ होने वाला नहीं है। दस साल कट गए। अब सहयोगी दलों की बैसाखियों पर सरकार है जिसने अभी लोकसभा में वक्फ बिल भी पास नहीं होने दिया। और राज्यसभा में कह रहे हैं कि अगर सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया तो देखेंगे! आज सभापति के लिए यह जवाब है कल प्रधानमंत्री के लिए भी हो सकता है!

स्थापना के ये प्रयास करीब एक सदी पहले किये गए थे। अम्बेडकर ने इन वर्गों को और जागरूक किया। दलितों को समझ में आया कि जमींदार और पुरोहित की जोड़ी - जि स े महाराष्ट्र में श्रे ठ जी - भट्टजी कहा जाता है - उनकी सबसे बड़ी पीड़क है। इसी के चलते ब्राह्मण विरोधी आन्दोलन शुरू हुआ। ब्राह्मणों के प्रभुत्व को चुनौती देने वाले इस आन्दोलन की राह आन्दोलन रही। उच्च जातियों के लोग हिन्दू-मुस्लिम एकता स्थापित करने के गांधीजी के प्रयासों से पहले ही परेशान थे। दलितों की समान अधिकारों की मांग ने उच्च जातियों को और विचलित कर दिया। उच्च जातियों के श्रेणी वर्ग ने आरएसएस की स्थापना की, जिसका लक्ष्य था हिन्दू राष्ट्र की स्थापना। हिन्दू राष्ट्र की परिकल्पना मनुस्मृति पर आधारित है। आरएसएस ने भारत के संविधान का इस आधार पर विरोध किया था कि उसमें भारत के 'स्वर्णिम अतीत' के मूल्यों को जगह नहीं दी गई है। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण का असर धीरे-धीरे समाज पर पड़ने लगा। इसके साथ ही अफवाहें फैलाने का क्रम भी शुरू हो गया। आरक्षण से लाभान्वित होने वालों को 'सरकारी दामाद' कहा जाने लगा और यह तर्क दिया गया कि वे जिन पदों पर कबिज हैं, वे उनके योग्य नहीं हैं। यह भी कहा गया कि आरक्षण की व्यवस्था योग्य युवाओं की राह में रोड़ा है। ऊंची जातियों के लोगों का गुस्सा सबसे पहले गुजरता के अहमदाबाद में सामने आया। माधवसिंह सोलंकी के केएचएएम या खािम (क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी और मुस्लिम) गठबंधन की सफलता पर तीव्र प्रतिक्रिया हुई और सन 1981 में गुजरता में दलित-विरोधी हिंसा भड़क गई। अश्वेता अच्युत यागिक लिखते हैं-'शिक्षित मध्यम वर्ग, जिसमें ब्राह्मण, बनिया और पाटीदार शामिल हैं।

चित्रकूट संदेश

उद्योग लगाने में अधिकारी करें सहयोग: डीएम

लम्बित आवेदन बैंक करें निस्तारित

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने जिला स्तरीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक में निवेश मित्र पोर्टल, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद, ऋण सहायता योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम समीक्षा पर उपायुक्त उद्योग केंद्र एवं अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक को निर्देश दिये कि इन योजनाओं में ऋण लेने को उद्यमियों के आवेदन लंबित हैं, उनका सभी बैंकों से निस्तारण कराये।

सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि बैंक ऋण वितरण में रुचि नहीं ले रहे। ये स्थिति ठीक नहीं



जिला उद्योग बन्धु की बैठक में बोलते डीएम।

है। एमओयू क्रियान्वयन की समीक्षा पर डीएम नरेंद्र कुमार सिंह को निर्देश दिये कि जिन उद्यमियों ने वन विभाग से एनओसी को आवेदन किया है, उन्हें एनओसी जारी कराये। धारा 80 के निस्तारण बाबत संबंधित एसडीएम को निर्देश दिये कि तत्काल धारा 80 की कार्यवाही करें। इको पार्क रिसन बांध की

मंजूरी को लंबित आवेदन तत्काल निस्तारित करें। अधिशाषी अभियंता सिंचाई निर्माण खंड से जिलाधिकारी ने कहा कि एक्सईएन विद्युत को निर्देश दिये कि शहर के जर्जर विद्युत तारों को बदलें। रामघाट में विद्युत लोड बढ़ाये। शासन से पत्राचार करें। शहर के खुले विद्युत बॉक्स ठीक कराये। विद्युत व्यवस्था निर्बाध

रूप से संचालित करें। विद्युत ट्रिपिंग समस्या नहीं होनी चाहिए। सोलर पैनल प्रोजेक्ट जो उद्यमी लगाये हैं, उनके विद्युत क्रय की नियमावली निर्देश अनुसार कराये। डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना को सभी विभाग उद्यमियों को लाभ दिलाये, ताकि वह उद्योग लगाकर

लोगों को रोजगार दे सकें। व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष ओम केसरवानी ने कहा कि शहर के साठे रोड में सड़क में गड्ढे हो गये हैं, उन्हें ठीक कराये। जिलाधिकारी ने ईओ नगर पालिका को निर्देश दिये कि सड़क के गड्ढे ठीक कराये। शहर के अना पशुओं को गौशाला में संरक्षित करें। धनुष चैराहा व पर्यटन तिराहा में फव्वारा चालू कराये। स्वच्छ शांतिचालय परिक्रमा मार्ग, रामघाट व मंडी समिति में शुरू कराये। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रयागराज से जो इन्वेस्टर्स टीम जिले में उद्योग लगाना चाहते हैं, बैंक से संबंधित विभाग सहयोग करें, ताकि लोगों को रोजगार मिल सके। उद्यमी मित्र को निर्देश दिये कि जिन उद्यमियों को उद्योग लगाने में समस्याएं आये, उन्हें बताये। संबंधित विभागों से निस्तारण कराया जा सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि नियम बताने को नहीं हैं, उद्यमियों को उद्योग

लगाने में आ रही समस्याएं सुलझाने में सहयोग करें। शासन की मंशानुसार कार्य करें। सीडीओ अमृतपाल कौर ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड में जिन बिंदुओं की रैकिंग शासन को भेजी जाती है, उन बिंदुओं की प्रगति उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र व अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक कराये।



नशा मुक्ति की शपथ दिलाती सीओ।

नशा मुक्त अभियान में दिलायी शपथ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। नशा मुक्त भारत अभियान में पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर सीओ राजापुर श्रीमती निष्ठा उपाध्याय ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में तैनात अधिकारी/कर्मचारियों को जिले/राज्य को नशा मुक्त कराने की शपथ दिलायी।

सोमवार को वाचक पारितोष दीक्षित, प्रभारी सोशल मीडिया/

साइबर सेल निशिकान्त राय, ऑफिकल समसुद्दीन, प्रधान लिपिक अनिल मोहन शुक्ला व अन्य अधिकारी/कर्मचारियों की मौजूदगी में नशा मुक्त की शपथ दिलाई। इसी क्रम में जिले के सभी थाना/चौकियाँ, क्षेत्राधिकारी कार्यालयों व पुलिस लाइन में अधिकारी/कर्मचारियों को जिले/राज्य को नशा मुक्त कराने की शपथ दिलायी।

आधार संशोधन में हो रही लूट

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। आधार कार्ड संशोधन के नाम पर खुली लूट की जा रही है। पीड़ित ने धन उगाही के आरोप लगाये।

सोमवार को मानिकपुर उमरी बैंक में आधार कार्ड संशोधन के नाम पर 400-400 रुपये की वसूली की जा रही है। पीड़ित ने आधार कार्ड के नाम पर खुली लूट का आरोप लगाया। कहा कि वह अपने बच्चों का आधार अपडेट कराने गया था। उससे दो आधार कार्ड के अपडेट के 400-400 रुपये लिये गये। पता नहीं उस जैसे कितने लोगों से आधार संशोधन के नाम पर लूट जा रहा है। आम जनता संशोधन के नाम से खुलेआम



गुहार लगाता पीड़ित।

हो रही लूट से खासी परेशान है। आधार संशोधन को सवरे से लाइन लगती है। आधार संशोधन केंद्रों पर धन उगाही का काला कारोबार हो रहा है। संबंधित अधिकारी खामोश हैं। पीड़ित ने मांग की है कि आधार संशोधन पर खुली लूट करने वालों पर कार्यवाही हो। उसके पैसे लौटाये जायें।

चौथे सोमवार को श्रद्धालुओं ने मत्स्यगयेन्द्रनाथ में किया जलाभिषेक

प्रशासन के हैं चौकस इंतजाम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भगवान श्रीराम की तपोभूमि में सावन माह के चौथे सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालु मंडाकिनी गंगा में स्नान कर मत्स्यगयेन्द्रनाथ शिव मंदिर में दर्शन व जलाभिषेक को पहुंचे। भोर से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भीड़ नियंत्रित करने को पुलिस बल तैनात रहा। सोमवार को रामघाट स्थित मत्स्यगयेन्द्रनाथ शिव मंदिर में चार शिवलिंग हैं। इस मंदिर की खासियत



जलाभिषेक करते श्रद्धालु।

है कि ऐतिहासिक महत्व है। मान्यता है कि सृष्टि संचालन को ब्रह्मा जी ने खुद शिवलिंग स्थापित किया था। पुत्री प्रदीप मिश्रा ने बताया कि ये मंदिर विश्व का पहला ऐसा मंदिर है, जहां एक साथ चार शिवलिंग हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान राम, पत्नी

जानकी, भाई लक्ष्मण ने वनवास दौरान मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। ये मंदिर ऐतिहासिक होने के साथ औरंगजेब के खिलाफ विद्रोह का साक्ष्य है। सावन माह के चौथे सोमवार को भक्तों ने भांग, धतूरा, बेलपत्र आदि से शिव का जलाभिषेक कर रहे हैं। कांवड़िये भी लंबी यात्रा कर चित्रकूट आये हैं। भगवान शिव के दर्शन व जलाभिषेक में शामिल हुए हैं। पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को खास इंतजाम किये हैं। रामघाट व मंदिर परिसर में व्यवस्था बनाये रखने को पर्याप्त पुलिस बल तैनात है। श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो, लाइन लगाकर दर्शन की सुविधा दी जा रही है।

20 क्वार्टर शराब समेत एक गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण व बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में चौकी प्रभारी खोही परिक्रमा मार्ग रमेश सिंह ने जगदीश कुमार पुत्र योगेंद्र कुमार छपरामाफा की 20 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया। उस पर कोतवाली कर्मी में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। टीम में चौकी प्रभारी खोही परिक्रमा मार्ग रमेश सिंह, सिपाही आशीष सिंह व रविन्द्र कुमार शामिल रहे।

संगठन की मजबूती होगी प्राथमिकता: पुष्पेंद्र सिंह

पूर्व बसपा प्रत्याशी ने पुराने घर में की वापसी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। क्षत्रिय समाज समेत अन्य विरादरी में अलग पहचान व पकड़ रखने वाले व्यवहार कुशल संघर्षशील जुझारू नेता ठा पुष्पेंद्र सिंह ने बसपा से इस्तीफा देकर पुराने घर कांग्रेस में लौट आये हैं। लखनऊ मुख्यालय में कांग्रेस कार्यालय में समर्थकों समेत प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व चित्रकूट जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल की मौजूदगी में पुष्पेंद्र सिंह शामिल हुए हैं। सोमवार को कांग्रेस कार्यालय में पुष्पेंद्र सिंह का जोरदार स्वागत हुआ। कांग्रेस की सदस्यता लेने



पुष्पेंद्र सिंह का स्वागत करते कांग्रेसी।

वाले सभी लोगों को माल्यार्पण कर कांग्रेस की पट्टी पहनाई। ठा पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि वह पहले से ही कांग्रेसी रहे हैं। जिलाध्यक्ष

रहने के साथ उन्हें संगठन के अहम पदों पर रखा था। विधानसभा प्रत्याशी बनाया था। लोगों के बहकावे में बसपा में

चले गए थे। अब वह फिर पुराने घर कांग्रेस में आये हैं। अब कभी कांग्रेस नहीं छोड़ेंगे। पहली प्राथमिकता संगठन मजबूती की

होगी। जिले समेत प्रदेश में कांग्रेस को आगे बढ़ाने में तन-मन-धन से काम करेंगे। कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाये। प्रयास होगा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की प्रदेश में सरकार बने। वह अभी से काम करेंगे, ताकि कांग्रेस मुखिया सोनिया गांधी व राहुल गांधी तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हाथों को मजबूत कर सकें। पार्टी के शीर्ष व प्रदेश नेतृत्व के आदेशों का सख्ती से पालन करेंगे व दूसरे कार्यकर्ताओं को करावेंगे। कांग्रेस की सदस्यता लेने वालों में पुष्पेंद्र सिंह समेत दिनेश सिंह, विनय सिंह चैहान एक दर्जन लोगों ने सदस्यता ग्रहण की।

जल जीवन से ध्वस्त सड़के न बनी तो 22 को होगा प्रदर्शन: अमित

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भाकपा ने जिले के गांवों की ध्वस्त सड़कों की समस्या लेकर जिला सचिव का अमित यादव एड की अगुवाई में जिलाधिकारी/उपजिलाधिकारी कर्मी को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि शासन ने जल जीवन मिशन से हर घर नल योजना के तहत कार्यवाही संस्था ने कई माह पहले गांवों की सड़कों की खुदाई कर पाइपलाइन बिछाई थी। पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों की मरम्मत नहीं की। चेतया कि जल्द मरम्मत न होने पर 22 अगस्त को भाकपा प्रदर्शन करेगी।

सोमवार को भाकपा जिला सचिव का अमित यादव की अगुवाई में एसडीएम सदर को सौंपे ज्ञापन में कहा कि जिले में मानसून सक्रिय होने से सड़कों में जलभराव व कीचड़ हो गया है। लोगों को खासतौर से बुजुर्ग



ज्ञापन देते भाकपाई।

व बच्चों के साथ वाहनों का निकलना दुर्घर है। अभी तक हर घर नल हर घर जल योजना से

ग्रामीणों को पानी नहीं मिल सका। कार्यवाही संस्था के भ्रष्टाचार से ग्रामीणों को सड़क व पानी

नहीं मिल रहा। शासन की हीलाहवाली से अधूरे कार्य की जांच कराये। जल्द समस्या का निदान न हुआ तो 22 अगस्त को सीपीआई प्रदर्शन करने को बाध्य होगी। ज्ञापन तहसीलदार कर्मी वाचस्पति त्रिपाठी को सौंपा। ज्ञापन में शारदा प्रसाद यादव, ब्रजभूषण, रामचन्द्र, बबली, हनुमान, संजय, शिवबरन आदि शामिल रहे।

विहिप-बजरंग दल ने अखंड भारत संकल्प दिवस मनाने को की चर्चा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के प्रान्त संयोजक अजीतराज की मौजूदगी में जिलाध्यक्ष राजेंद्र की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में अखंड भारत संकल्प दिवस 13 से 20 अगस्त व स्थापना दिवस 24 अगस्त से एक सितम्बर तक जिले में सभी प्रखंडों में मनाने को चर्चा हुई।

सोमवार को प्रान्त धर्म यात्रा प्रमुख छेदीलाल, विभाग समरसता प्रमुख



चर्चा करते अजीतराज।

रामसरन, संयोजक अजय, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश, संगठन मंत्री अतुल, सहमंत्री सिद्धार्थ, कोषाध्यक्ष जमुना, मातृशक्ति संयोजिका संजुला,

दुर्गावाहिनी संयोजिका मधु, संयोजक अंकित, सह संयोजक प्रणव, धर्माचार्य संयोजक प्रमुख मुदुल, मठ-मंदिर प्रमुख अजय, समरसता प्रमुख

अभिषेक, नगर उपाध्यक्ष जितेन्द्र, लवकुश, मंत्री धर्मेन्द्र, संयोजक शानु, मठ प्रखंड अध्यक्ष सुरेश, सह मंत्री अंकित, संयोजक शिवांग, समरसता प्रमुख पप्पु, मुकेश बाजपेई, पहाड़ी प्रखंड अध्यक्ष प्रवीण, सहमंत्री अतुल, सहसंयोजक सुनील आदि कार्यकर्ताओं के बीच अजीतराज ने 13 से 20 अगस्त अखंड भारत संकल्प दिवस व 24 से एक सितम्बर तक जिले के सभी प्रखंडों में उत्साह से मनाने को चर्चा की। संवाचन जिला मंत्री नीरज केसरवानी ने किया।

आन-बान तिरंगा यूं ही अम्बर तक लहराये: एसडीएम

अखंड भारत संदेश

राजापुर/चित्रकूट। राजापुर तहसील सभागार में घर-घर तिरंगा महोत्सव को सफल बनाने को एसडीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा महोत्सव मनाने पर चर्चा हुई।

सोमवार को बैठक में एसडीएम प्रमोद कुमार झा ने कहा कि राजापुर समेत ग्रामीण क्षेत्रों में आजादी दिवस पर हर घर तिरंगा जोश-खरोश से मनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में लाखों लोगों ने कुर्बानी दी है। आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं।



बैठक में निर्देश देते एसडीएम।

राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के आन-बान-शान व सुरक्षा को देश के हर नागरिक का कर्तव्य है। महोत्सव व घर-घर तिरंगे के सम्मान में सभी लोग बड़-चढ़कर हिस्सा लें। छात्र-छात्राओं को विद्यालय से तिरंगे के महत्व व देश भक्ति पर गर्व करना चाहिए। देश के राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया,

सफेद व हरा तीनों रंग के अलग-अलग महत्व हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक गांव में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वयं सहायता समूह से रोजगार सृजित करने को तिरंगा की बिक्री के निर्देश हैं। तहसील क्षेत्र के 162 गांवों में प्रधान-सचिव व राजस्व कर्मियों

से हर घर तिरंगा महोत्सव सफल बनाने के निर्देश दिये। बैठक में तहसीलदार रामसुधार राम नायक, तहसीलदार राजीव कुमार दुबे, लेखपाल अशोक तिवारी, योगेंद्र सिंह, कपिल मुनि पांडेय, सत्यप्रकाश पांडेय, शशांक मिश्र, सुनील सिंह, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

जर्मनी ने फिर की गाजा में तत्काल संघर्षविराम की अपील

जर्मनी: होटल की इमारत ढहने से दो लोगों की मौत, कई फंसे भारत के सैन्य अभ्यास में पहली बार जर्मनी की वायु सेना इस्त्राएल और ईरान समर्थित गुटों के बीच गहराते तनाव में जर्मनी ने संघर्षविराम पर सहमति बनाने की अपील की है। जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन ने एक साझा बयान जारी कर ईरान और उसके सहयोगियों से इस्त्राएल पर हमला ना करने को कहा।

जर्मनी के चांसलर ओलाफ शॉल्ट्स ने मध्यपूर्व में क्षेत्रीय युद्ध की आशंकाओं पर चिंता जताई है। शॉल्ट्स ने इस संबंध में 11 अगस्त को इस्त्राएल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की।

जर्मन सरकार के एक प्रवक्ता ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि चांसलर ने ईरान और हिज्बुल्लाह समेत अन्य क्षेत्रीय शक्तियों की ओर से इस्त्राएल और उसके नागरिकों की सुरक्षा के खिलाफ पेश किए जा रहे खतरों की निंदा की। शॉल्ट्स ने जोर दिया कि "बदले



की कार्रवाई में जो जा रही हिंसा के घातक चक्र को रोकने, तनाव घटाने और लड़ाई की तीव्रता को कम करने के लिए रचनात्मक तरीके से काम किए जाने" की जरूरत है। शॉल्ट्स ने दोहराया कि गाजा में संघर्षविराम और इस्त्राएली बंधकों की रिहाई से जुड़े

समझौते को निर्णायक रूप देने का समय आ गया है। 7 अक्टूबर को इस्त्राएल पर हमला के तुरंत बाद ही इस्त्राएल और ईरान समर्थित गुटों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। ईरान, हमला और हिज्बुल्लाह ने इस्त्राएल से बदला लेने की चेतावनी दी है। यमन, इराक और सीरिया में ईरान से समर्थन पाने वाले गुट पहले ही हमला और इस्त्राएल के बीच जारी लड़ाई में उतर चुके हैं। हालांकि, ऐसे में मध्यपूर्व में जारी संघर्ष के और फैलने और तेज होने की आशंका है। कई देशों ने अपने नागरिकों से लेबनान छोड़ने की अपील की है। भारत ने भी अपने नागरिकों को एहतियात बरतने की सलाह दी है। बीते दिनों भारतीय एयरलाइंस कंपनी एयर इंडिया ने तेल अवीव के लिए विमान सेवाएं स्थगित करने की घोषणा की थी।

तकलीफ बनी हुई है। ईरान समर्थित गुटों की ओर से हमले का अंदाजा

बीते दिनों हमला के नेता इस्माइल हानियेह और हिज्बुल्लाह के सैन्य प्रमुख फुआद शुक्र की हत्या के बाद इस्त्राएल और ईरान समर्थित समूहों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। ईरान, हमला और हिज्बुल्लाह ने इस्त्राएल से बदला लेने की चेतावनी दी है। यमन, इराक और सीरिया में ईरान से समर्थन पाने वाले गुट पहले ही हमला और इस्त्राएल के बीच जारी लड़ाई में उतर चुके हैं। हालांकि, ऐसे में मध्यपूर्व में जारी संघर्ष के और फैलने और तेज होने की आशंका है। कई देशों ने अपने नागरिकों से लेबनान छोड़ने की अपील की है। भारत ने भी अपने नागरिकों को एहतियात बरतने की सलाह दी है। बीते दिनों भारतीय एयरलाइंस कंपनी एयर इंडिया ने तेल अवीव के लिए विमान सेवाएं स्थगित करने की घोषणा की थी।

शेख हसीना के भारत में रहने पर मोहम्मद यूनुस की सरकार ने क्या कहा, संबंधों पर कैसा असर होगा?

ढाका: शेख हसीना बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से ही भारत में रह रही हैं। वह पिछले सोमवार को ढाका से नई दिल्ली के पास स्थित भारतीय वायु सेना के हिंडन एयरफोर्स बेस पहुंची थीं। ऐसी रिपोर्ट थी कि वह भारत से लंदन जाना चाहती थीं, लेकिन ब्रिटिश सरकार के इनकार के बाद उन्हें भारत में ही रुकना पड़ा। इसके बाद ऐसी आशंका जताई जा रही थी कि शेख हसीना के भारत में रहने से बांग्लादेश के साथ संबंधों पर असर पड़ सकता है। हालांकि, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश मामलों से सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा है कि शेख हसीना के नई दिल्ली में रहने से बांग्लादेश और भारत के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।



क्या कहा उन्होंने सोमवार को राजकीय अतिथिगृह पदमा में राजनयिकों को ब्रीफिंग के बाद एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, "किसी एक व्यक्ति के किसी देश में रहने से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। द्विपक्षीय संबंध बहुत बड़ी चीज है और इसमें आपसी हित शामिल होते हैं। दोनों पक्षों के अपने हित हैं-भारत के अपने हित हैं और बांग्लादेश के अपने हित हैं।" यह बांग्लादेश की

नई अंतरिम सरकार की पहली राजनयिक ब्रीफिंग है। शेख हसीना ने 5 अगस्त को इस्तीफा दे दिया और भारत भाग गई थीं। शेख हसीना पर मुकदमा चलाने की मांग बांग्लादेश के प्रदर्शनकारियों की मांग है कि शेख हसीना के खिलाफ मुकदमा चलाया जाए और कानून के अनुसार सजा दी जाए। हालांकि, प्रदर्शनकारियों की इस मांग पर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने चुप्पी साध रखी है।

पाकिस्तान में बुरी तरह फंस गया चीन, 6200 करोड़ डॉलर के सीपीईसी प्रोजेक्ट पर खतरा

इस्लामाबाद: पाकिस्तान में चीन का 62 अरब डॉलर की आर्थिक कॉरिडोर (उद्घाटन) परियोजना खतरे में पड़ गई है। पिछले दो सप्ताह के पाकिस्तान के दक्षिणी-पश्चिमी बंदरगाह शहर ग्वादर में बलूच अलगाववादी हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। इन प्रदर्शनों ने चीन से वित्तपोषित परियोजनाओं के भविष्य पर संकट मंडराने लगा है। पाकिस्तान की कोशिशों के बावजूद शी जिनिपिंग के महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल (इफ्रक) तहत शुरू की गई

परियोजनाओं पर निशाना बनाकर हमले जारी हैं। इसने बीजिंग के सामने अभूतपूर्व स्थिति पैदा कर दी है। इन हमलों से चीन असहज है और उसने पाकिस्तान के सामने अपनी चिंता खुलकर जाहिर भी की है। ग्वादर में हिंसक आंदोलन पिछले सप्ताह की शुरुआत में बलूच राष्ट्रवादी आंदोलन हिंसक हो गया था। प्रदर्शनकारियों और बंदरगाह परियोजना की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों के बाद तनाव बढ़ा हुआ है।

बांग्लादेश : मोहम्मद यूनुस अल्पसंख्यक नेताओं के साथ करेंगे बैठक

बांग्लादेश : हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार पर गृह विभाग के सलाहकार ने मांगी माफीकन्नीज : सपा नेता नवाब सिंह यादव दुकर्म के प्रयास में गिरफ्तार ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस मंगलवार को ढाका में देश के अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के 5 अगस्त को इस्तीफा के बाद से देश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमलों और बर्बरता की घटनाओं की पृष्ठभूमि में यह बैठक होने जा रही है।

बांग्लादेशी इस्लामी विद्वान अबुल फैयाज मोहम्मद खालिद हुसैन वर्तमान में यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में धार्मिक मामलों के सलाहकार हैं। उन्होंने सोमवार

को ढाका में पत्रकारों को बताया, "वर्तमान सरकार सांप्रदायिक सद्भाव में विश्वास करती है और अल्पसंख्यकों पर हमलों की निंदा करती है।" स्थानीय मीडिया के अनुसार, सचिवालय भवन में आयोजित मीडिया ब्रीफिंग में हुसैन ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले उपद्रवियों ने किए हैं और अंतरिम सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। उन्होंने वादा किया कि उपद्रवियों को सजा दिलाई जाएगी। हुसैन ने यह भी बताया कि नष्ट हुए घरों और मंदिरों की सूची तैयार की जा रही है। पीड़ितों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।

अंतरिम सरकार के गृह मामलों के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम. सखावत हुसैन ने देश में फैली हिंसा के दौरान उन्हें सुरक्षा प्रदान करने में विफल



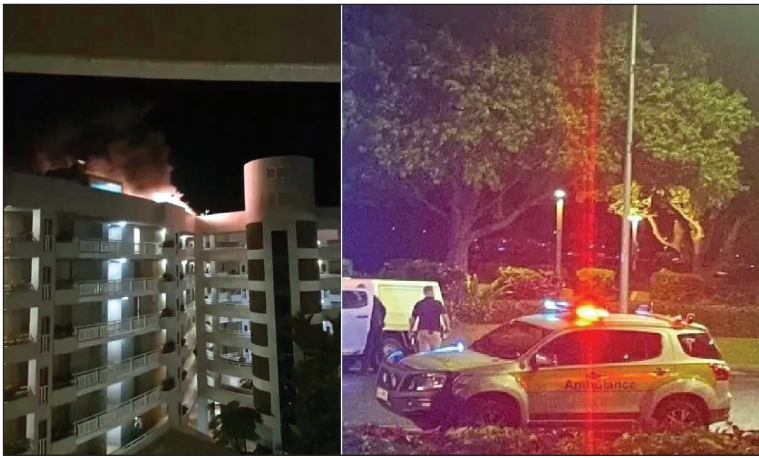
रहने के लिए रविवार को देश के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय से माफी मांगी थी। सखावत हुसैन ने कहा, "हमने निर्देश दिया

है कि हमारे अल्पसंख्यक भाइयों की सुरक्षा करना बहुसंख्यक समुदाय का परम कर्तव्य है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें जवाब देना होगा कि वे सुरक्षा प्रदान करने में

विफल क्यों रहे। यह हमारे धर्म का भी हिस्सा है कि हमें अपने अल्पसंख्यकों की रक्षा करनी चाहिए। मैं अपने अल्पसंख्यक भाइयों से माफी मांगता हूँ।" उन्होंने कहा कि देश अराजकता की दौर से गुजर रहा है। पुलिस खुद अच्छी स्थिति में नहीं है, इसलिए "मैं बड़े पैमाने पर समाज से आग्रह करता हूँ कि उनकी रक्षा करें। वे हमारे भाई हैं और हम सभी एक साथ पले-बढ़ें।" उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले हिंदू त्योहारों जन्माष्टमी और दुर्गा पूजा के दौरान उचित सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। हजारों की संख्या में हिंदू शनिवार को चर्चागांव में इकट्ठा हुए और समुदाय पर हो रहे हमलों के खिलाफ एक विशाल विरोध रैली निकाली।

होटल की छत टकराने से हेलीकॉप्टर क्रैश, पायलट की मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सुदूर उत्तरी क्वींसलैंड में सोमवार सुबह हेलीकॉप्टर एक होटल की छत से टकराने से क्रैश हो गया। इस दुर्घटना में एक पायलट की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। सिडनी मॉनिंग हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, मृतक पायलट की उम्र 40 साल बताई जा रही है। वहीं 83 वर्षीय पुरुष और 76 वर्षीय महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऑस्ट्रेलियाई एबीसी न्यूज प्रसारक के अनुसार, पुलिस ने केन्स एस्प्लेनेड पर डबल ट्री बाय हिल्टन के आसपास आपातकाल की घोषणा की है। वहीं दुर्घटना के बाद लगभग 400 लोगों को निकाला गया है।



रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना स्थल के पास एक होटल के कमरे में ठहरे 80 वर्षीय

एक व्यक्ति और 70 वर्षीय एक महिला को धुएँ के कारण सांस लेने में तकलीफ हुई। उन्हें इलाज के लिए केन्स अस्पताल पहुंचाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, क्वींसलैंड स्टेट पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद एहतियात के तौर पर बिल्डिंग को खाली करा लिया गया। वहां मौजूद लोगों को कोई चोट नहीं आई। इस घटना की जांच की जा रही है। दुर्घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में होटल की छत पर आग दिखाई दे रही है। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्टरों के मुताबिक, हेलीकॉप्टर के दो प्रोपेलर टूट गए, इनमें से एक होटल के पूल में जा गिरा है।

यूएफओ कैपेनर का दावा-वेटिकन घुपा रहा है बड़ा रहस्य

लंदन: यूएफओ कैपेनर स्टीव बैसेट ने दावा किया है कि कैथोलिक चर्च यूएफओ के बारे में जानता था और इस बात को लंबे समय से छुपाया गया है। आज भी अगर जांच की जाए तो उनके उनके अभिलेखागार में छिपे हुए साक्ष्यों का दस्तावेजीकरण मिल जाएगा। द सन से एक बातचीत में स्टीव ने कहा कि चर्च ने धार्मिक चित्रों में एलियंस के अस्तित्व का संकेत मिलता है। कैथोलिक चर्च इस विषय के बारे में सैकड़ों-हजारों साल पहले से ही जानता है।

सदियों से चर्च के बारे में बहुत सी असाधारण जानकारी वेटिकन लाइब्रेरी और अभिलेखागार में बंद पड़ी है। उन्होंने दावा किया कि पृथ्वी पर दुर्घटनाग्रस्त हुए एक यान से कम से कम दस एलियंस बरामद किए गए थे। बैसेट की टिप्पणी पिछले साल डेविड ग्रुश के एलियंस के जीवन के बारे में किए गए दावों के बाद आई है। ग्रुश ने दावा किया था कि अमेरिका के पास यूएफओ के पूरी तरह से बरकरार टुकड़े मौजूद हैं।

स्टीव ने ये भी दावा किया कि इटली ने 1933 में मुसोलिनी के शासनकाल के दौरान उन यूएफओ में से एक को खोजा था। बैसेट ने कहा कि ग्रुश के आश्चर्यजनक दावों ने कई लोगों को हैरान कर दिया, जिन्होंने इस कहानी के बारे में कभी नहीं सुना था। अब तक के सबूत मामूली हैं और दावों की जांच की आवश्यकता होगी। 'अमेरिकी सरकार बहुत पहले से जानती थी' स्टीव ने कहा कि अगर जांच होती है तो ये पता चलेगा।

सऊदी अरब ने किए हतियों पर हवाई हमले, यमन के सादा में स्ट्राइक

सना: सऊदी अरब की सेना ने यमन में हथियारों के टिकानों पर हमले किए हैं। आईएनए ने ईरान समर्थक मीडिया के हवाले ये दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सऊदी सेना ने यमन के उत्तर में स्थित प्रांत सादा के सीमावर्ती क्षेत्रों में हथियारों पर हमले शुरू किए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सऊदी की ओर से ड्रोन से सीमा के पास अल-गेर क्षेत्र पर हमला किया। दूसरी ओर अमेरिकी ड्रोन ने होदेइदा बंदरगाह के पास कामरान

द्वीप पर हवाई हमले किए हैं। हालांकि सऊदी की ओर से ऐसी कोई जानकारी नहीं दी गई है। हतियों के टिकानों पर सऊदी के हमले के बारे में ये रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब हथियारों, अमेरिका और ब्रिटेन की सेना के एक लाल सागर में उलझे हुए हैं। हथियारों के टिकानों पर हमले से होकर जाने वाले उन जहाजों पर हमले कर रहे हैं, जो इजरायल, अमेरिका और ब्रिटेन से जुड़े हैं। हतियों के हमलों ने अमेरिका और इजरायल को काफी परेशान किया है। अमेरिका और ब्रिटेन

की सेनाओं ने हतियों को नुकसान पहुंचाने के लिए यमन में उनके टिकानों पर हमले किए हैं। इसके बावजूद हतियों ने गाजा में हमला के समर्थन में अमेरिका और इजरायल को निशाना बनाना जारी रखा है। अगर सऊदी की ओर से हमले करने की पुष्टि होती है तो क्षेत्र में एक नया संघर्ष भी देखने को मिल सकता है। 2015 में सऊदी ने किए थे ताबड़तोड़ हमले साल 2015 से सऊदी अरब की ओर से हथियारों पर यमन में ताबड़तोड़ बमबारी की गई थी।

मोहम्मद यूनुस के सामने बड़ी चुनौती, कैसे रोकेंगे अल्पसंख्यकों पर हमले?

ढाका: शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन गया है। इस मुद्दे पर पिछले हफ्ते अमेरिका और ब्रिटेन में भी विरोध प्रदर्शन हुए हैं। कई बड़े अमेरिकी और ब्रिटिश सांसदों ने अपने-अपने देश की सरकारों से बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा का आह्वान किया है। बांग्लादेश में भी राजधानी ढाका और चर्चागांव सहित कई शहरों में हिंदू समुदाय ने रैलियां भी की हैं, जिसमें लाखों लोग सड़कों पर उतरे। बांग्लादेश में हिंदुओं ने अपने घरों, व्यवसायों और पूजा स्थलों पर भीड़ द्वारा हमला होते देखा है। हसीना की अवामी लीग पार्टी से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की सार्वजनिक तौर पर लिंचिंग कर हत्या कर दी गई है। हिंदुओं के घरों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा



रहा है। ऐसे में जिनें कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों पर क्या वैश्विक प्रतिक्रिया रही है। ब्रिटिश संसद के सामने विरोध प्रदर्शन बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के विरोध में

सबसे ज्यादा प्रदर्शन ब्रिटेन में हुए हैं। ब्रिटेन में रहने वाले हिंदुओं ने कई शहरों में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया है। शनिवार को लंदन में संसद भवन के बाहर हिंदू समुदाय के सदस्यों की बड़ी संख्या में भीड़ जमा हुई। प्रदर्शन में

विभिन्न मानवाधिकार संगठनों के कार्यकर्ता, बांग्लादेशी प्रवासी समुदाय के सदस्य और भारतीय-अमेरिकी हिंदू सहयोगी शामिल थे, जो बांग्लादेश के हिंदू समुदाय के साथ एकजुटता में खड़े थे। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेशी झंडे लिए हुए थे और पोस्टर पकड़े हुए थे, जिन पर संदेश लिखे थे, जैसे कि बांग्लादेश में हमारे मंदिरों की रक्षा करें, हिंदू जीवन मान्य रखता है और हमें न्याय चाहिए। उन्होंने हाल ही में हिंसा में वृद्धि के बीच शांति और समानता की मांग करते हुए नारे लगाए।

ब्रिटेन में बंगाली क्रिश्चियन एसोसिएशन के एक प्रदर्शनकारी ने सभी समुदायों के साथ समान व्यवहार की मांग की। उन्होंने कहा, "हम अंतरिम सरकार से संविधान में संशोधन करने की मांग करते हैं, क्योंकि वर्तमान में यह कहा गया है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharsatandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने नेपाल के प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति से द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर की चर्चा

काठमांडू। विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने रविवार को नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने भारत और हिमालयी राष्ट्र के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत पर चर्चा की। नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ अपनी बैठक के दौरान विदेश सचिव ने दोनों देशों के बीच सभ्यतागत, घनिष्ठ और बहुआयामी संबंधों की पुष्टि की और द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों को गति प्रदान करने के तरीकों पर चर्चा की। यह यात्रा भारत की पड़ोसी प्रथम नीति के तहत दोनों देशों के बीच गहरे होते द्विपक्षीय संबंधों को रेखांकित करती है।

भारत-नेपाल सहयोग के एक महत्वपूर्ण संकेत में, विदेश सचिव मिसरी और नेपाल के शहरी विकास मंत्रालय के सचिव मणिमाल गेलल ने संयुक्त रूप से काठमांडू में नेपाल भाषा परिषद के नए भवन का उद्घाटन किया। भारत के भूकंप पश्चात पुनर्निर्माण अनुदान के तहत निर्मित यह भवन पुनर्निर्माण प्रयासों में एक कदम आगे है, जो नेपाल को भारतीय सहायता का आधार रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अनुरूप, उन्होंने ब्लू जैकारांडा (नीले गुलमोहर) का एक पौधा भी लगाया, जो पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति भारत और नेपाल को साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। विदेश मंत्रालय



(एमईए) ने इस बात पर जोर दिया कि विदेश सचिव मिसरी की यात्रा भारत और नेपाल के बीच नियमित उच्च स्तरीय

आदान-प्रदान की परंपरा को जारी रखेगी। एमईए के बयान में भारत-नेपाल संबंधों की आधारशिला बने लंबे समय से चले

आ रहे सभ्यतागत, सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों पर प्रकाश डाला गया। इस यात्रा से द्विपक्षीय सहयोग को और आगे बढ़ाने की उम्मीद है, इसमें हाल के वर्षों में विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी परियोजनाओं में तेजी देखी गई है। यह यात्रा नेपाल के प्रधानमंत्री ओली द्वारा कार्यभार संभालने के बाद विदेश सचिव मिसरी की नेपाल की पहली आधिकारिक यात्रा है। यह यात्रा नेपाल के लिए एक महत्वपूर्ण विकास भागीदार के रूप में भारत की भूमिका को भी रेखांकित करती है। इसमें भारत ने केंद्रीय बजट 2024-25 में नेपाल को अपनी सहायता बढ़ाकर 700

करोड़ रुपये कर दी है, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 550 करोड़ रुपये थी। विदेश सचिव मिसरी की यात्रा से पहले एक प्रमुख आकर्षण विदेश मंत्रालय और बेंगलुरु स्थित न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के बीच समझौता ज्ञान (एमओयू) पर हस्ताक्षर होना था। इस समझौता ज्ञान के तहत नेपाल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अकादमी (एनएसटी) के तहत विकसित नेपाल के मुनाल उपग्रह को एनएसआईएल के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) से नेपाल को बिना किसी लागत के प्रक्षेपित किया जा सकेगा। यह समझौता भारत-नेपाल अंतरिक्ष सहयोग में एक मील का पत्थर है।